

2786

ASHA ARCHIVE



१३ नमो गुरु गवतः शङ्खदवाय ॥ मधो जम इ नम न्व
 वन रुवस्यामार्त्तमान इ मे नकीत्य नृनयं तु मवनादि
 म ग्राधगुरु म्प्रापया वर्धन नन्दन दस वत्रिजिया प्रति
 भूकृष्ट इ म ग्राधमाधर्व यान जयन्ति जमना कलत्र
 ह के त्रिया वाग्दवना वन्ति विदुः प्रत्मा वन्ति वनवा
 न नव कुवन्ति श्रीवाग्दवत्रि कत्रि कथा समतं सितं क
 राति जयदव कविप्रवन्ध जदि हत्रिग्द सत्र न सत्र सम
 जो म्प जदिविला कला कला हन मधूत्र का मत का कि यदा
 वत्रिग्द नृनय जयदव सत्र सति वाव यत्र व वृ तु सति
 तिध सन्ध रुद्र डिगिना जानि यत्र जयदव दव सत्राया
 दया दयन म्प्रापया वर्धन नन्दन दस वत्रिजिया प्रति
 भूकृष्ट इ म ग्राधमाधर्व यान जयन्ति जमना कलत्र

मग मग मा नमः ॥ प्र नय पया विज्ञ न नान
सि व दं विहित वाहि उ व नि न मं ऊ दं ॥ क स व ज य क स व
ध न मि न ऽ वि न रं ज य ज ग दि स ह न ॥ १ ॥ वि नि न नि वि
प न त न त व नि ह नि य थ ध न नि ध न न दि न व क ग न
थ ॥ क ग व ज य ध न क र्क व नू य ज य ज ग दि स ह न ॥ २

॥ व स दि द श न सि र न ध न नि न व स ग्रा स नि नि क
स क र्क न न न म ग्रा ॥ क स व ज य क स व ध न गृ क र नू य
ज य ज ग दि स ह न ॥ ३ ॥ त व क न क म न व ज न ख म
क न र्जि म द यि न दि न न कि सि प न न र ह ग ॥ क स व ज
य क स व ध न न न ह नि नू य ॥ ४ ॥ क ल य सि वि क म न
व नि स र न वी स न य द न ख नी ॥ ज यि न ज न य व
न ॥ क स व ज य क स व ध न वी स न नू य ॥ ५ ॥ क वि न

नू धि न म य ज ग द व न व पा यं प्र य था सि प था सि ज मि
न ह व ना र्प ॥ क स व ज य क स व ध न गृ य नि नू य ॥
७ ॥ वि न न सि दि क ल न दि र्क प्र नि क म नि य द स मू ख
म उ त्रे म ना न म नि य ॥ क ग व ज य क स व ध न न य य नि
नू य ॥ ८ ॥ ब ह सि वि प्र ख वि स द व स न ज न द
र ह न य नि वि हि न मि नि न ज म ना र्क ॥ क ग व ज य क
स व ध न ह न ध ल नू य ॥ ९ ॥ नि न द सि ज ह वि ध न
ह न ह न नि जा न स द य ह द य द न ज नि न य सू घा नी कि
ग व ज य क स व ध न वृ ष स नि न ॥ १० ॥ म क नि व
रु नि ध न के न य सि क न वा र्क धू म क रू पि वा कि
म पि क ना र्क ॥ क ग व ज य क स व ध न क र्क कि स न
र्क ॥ ११ ॥ श्री ज य द व न नि द स दि न स द न

शुभं शुभं दत्तं दत्तं दत्तं ॥ कथं वदय कसव
नंदसवधिनृपं जयजगदि सहन ॥ ११ ॥ क
शायय ॥ ११ ॥ श्रीकमलाकृष्णमधुनं धनं
मुलं ॥ कलिं ललितवनमाला ॥ जयजयदवहन ॥
१ ॥ दिनमधुममधुनं हवखधुनं मूनी जगमा
नस हर्ष ॥ जय ॥ २ ॥ कालियविखधनगभनं जनन
भनं ॥ जडकलनलिनदिनसं ॥ जय ॥ ३ ॥ मधुम
सननकविनासुनं गच्छ जसनं गुलकनकनिनिदान
॥ जय ॥ ४ ॥ जनकृष्णकनकतुखनं जितद्वयन
॥ समनसमितदसक ॥ जय ॥ ५ ॥ अमलकमल
दनलाचनं हवमाचनं विहवनं हवननिदानं ॥ जय
॥ ६ ॥ अहिनवजसंधनं गुणुनं धनमधुलं ॥ श्री

खवदुच्छकारं ॥ जय ॥ ७ ॥ श्रीजयदवकवनिदं
कनूतं मन्दं मज्जनं मज्जागितं ॥ जयजयदवहन ॥
३ ॥ ८ ॥ ॥ श्रीगवसुनं ॥ जनिनाल ॥ ललितलव
जगलनापनिशासनं कामलमलयसमितं मधुकननिक
ककनं विनकाकिलं कजिनं कजकनिज ॥ विहननिह
निहसनसवसं नृपनिशवनिजमनशा मसखिवि
त्रहिनिजनस्यइनक ॥ विह ॥ १ ॥ उन्नदमदनमना
त्रधयनिकह वधुजनं जनिनविलाय ॥ अतिकूलसकल
दसुमसुहृदिनाकूलवकूलकलाप ॥ विह ॥ २ ॥
सुगमदहो जहृहसवसं नवदनमाजनिमानं ॥
वजनरुदयविशजनमनसि जनखनूविकिंशुकजान
॥ विह ॥ ३ ॥ मदनमहोपनिजनकदधुनिवि

नकुमविकाशमिलितमिति पूर्वपातलिपटसुहृत्
 ननुनविकाशविह ॥ ४ ॥ दिगलितलज्जितजगद
 वलोकनतनूनकात्रनकुनहासवित्रहिनिहृत्निकुन
 मृत्वाहृत्निकुनकिदनुनिग्राह ॥ विह ॥ ५ ॥ साधवि
 कायत्रिमलयसत्रितनवमानिकिआनिसुगीक्षमनिम
 नसासपिमाहनकात्रिनिनूनकात्रनवन्धो ॥ विह ॥ ६ ॥
 ॥ स्फुटदगिस्फुटलनायत्रिनूनमृकलितपूतकिन
 वृत्तविन्नावनविनयानिसनयत्रिगतजसूनाजलपूत
 ॥ विह ॥ ७ ॥ श्रीजयदवहृत्तमित्तमृदयनिहृत्ति
 वज्रनास्मृतिहानसतवसक्तसमयवनवर्धनमन
 गनमदनविकोर्न ॥ विह ॥ ८ ॥ ॥ ॥
 गजनामकलि ॥ ९ ॥ चन्दनवर्चननीलकलवत्तः

वृत्त

पीतवसनवमासिकत्रिवसनिमनिकुशुलमभित
 ठाष्टुयुगमस्मिन्नसात्रि ॥ १० ॥ हृत्तिलिहृत्तमृगवधूनि
 नविलासनिविलासनिकलियन ॥ नाम ॥ १ ॥ पीनय
 याधनलननननहृत्तियत्रिनमृत्तनाखपवधूनन
 गमयनिकाविद्दक्षिणपश्चिमनागी ॥ हृत्ति ॥ २ ॥
 कापिविलासविलासविलाचनखलनजनितमनाज
 रधायनिसृग्वधूनधिकमधुसूदनवननसनाजी ॥ ह
 त्रि ॥ ३ ॥ कापिकयासनलमिलितलपिदूम्भिम
 पिगुनिसूतश्वात्रविदूम्भनिकम्भवनिसूखदयितम्प
 लकेलनरुत्त ॥ हवी ॥ ४ ॥ कलिकलाकुरुकलिन
 काविद्ददयसूनाजलकलरमस्फुटवस्फुटकस्फुटानमि
 वकरवकननइकल ॥ हृत्ति ॥ ५ ॥ कनकसनालक

नत्तवत्तु वासि कजि कन म्मन वं स्य र ना स न स ग ह
रु त्प ना रु व ह त्रिभि य व निः प्र ह स्य ॥ ह त्रि ॥ ३ ॥
श्री व्वा नि का म पि वृ म्ब नि का म पि का म पि न म य नि त्राम
र स ष्य नि प र्त्त्य नि वा न य त्राम य त्राम न र्ग र्क नि वा मा ॥ ह
त्रि ॥ ७ ॥ श्री ज य द व र्क नि त मि न्द म् न्द य नि क ष व
क लि न हं स र वृ ना व न वि पि न य नि स न प त्रि ग न वि न
नो ति शु कान य ष ण्य ॥ ह त्रि ॥ ८ ॥ क ॥
जा ग गु ऋ ति ॥ ज नि त ॥ स क्त द व त्र गु ष म धू न
त्रि म्भ त्रि त मा ह न व र्म र व ति न दृ ग क्त व क्त ल मो
५ क पा ल वि ला स नं ग ॥ धू ॥ ना स ह त्रि मि ह वि हि न वि ला
सं स्म न ति स ना म न्म क न य त्रि हा र्म ॥ १ ॥ व द्ध क वा
न म पू न सि त्थ शु क म शु ल व ल यि न क र्क प्र न पू न

न न ध न् न न् न ज्जि न म इ न म्भ न स व र्म ॥ २ ॥ लो प
क द म्ब नि न म्ब व नि म्भ वृ म्ब न न म्बि न ना र्क व धू जि
व न म धू ना ध न प ल व क लि न द न मि न मा र्क ॥ ३ ॥
वि पू ल पू ल क र्क ज्जु ल व ल व ल यि न रु व नि स ह र्म र क न
व न ना सि म नि ग न ज्जु ल व नि न वि हि न न मि थ ॥
॥ ४ ॥ ज ल द य ट ल व ल वा इ वि नि न्द क व द न नि स
क ल ता र्क र्पी न य या ध न य त्रि स न म र्द न नि र्द य ह य क
या र्क ॥ ५ ॥ म नि म य म क न म ना ह न क न्द ल म थि
न ठा शु म्भ दा र्क र्पी न व स न म न्ग न म्भ नि सा नू ज ल ना
शु न व न य त्रि वा र्क ॥ ७ ॥ वि स द क द म्ब न ल मि ति
न क ति क ल र्क र्क य स म य क र्क मा म पि कि म पि न न म
न ग नि दृ क न म्भ न म य क ॥ ८ ॥ श्री ज य द व र्क

भित्तमनिष्ठुत्तमं माहनमध्वपूर्यं रहनिचनमस्मन
मभ्युति म्युनिपूर्यं वनामनूर्यं ॥ ८ ॥ ३० ॥
नागस्य निरु ॥ निरुत्तनिकुं ऋणीहं गतयानिमि. नरु
मियनिनियसुवसुकरवकिना विलाकिन सुकनदिमान
ति. ननिनरु सुवजनहसक ॥ ५ ॥ सखिहकसिमथनम
नरु. समथमयासुहसदनसमानथ. लविमयासविका
रु ॥ सखि ॥ १ ॥ प्रथमममागमलजिनयासु. दु. दु. सु
नेलनूकलं. रमृइमध्वनस्मिन्तलजिनयामिधि. निदिनऊ
घनइकलं ॥ २ ॥ अलसनिमिहितविलावनवृम्बनः
कावलिलनितकयार्. रमजललकलकनवत्रयावत्र
मदनमदा. निलारु ॥ ३ ॥ किसुनयसयनानिव
जिबयाविन. मूनजिनमव. सयानरु. कनयनिसक

नवृम्बनयापानि. यत्रिनरु. कनाधनयान ॥ ४ ॥
काकिलकनलवकुं. निनयाजिनमनसिजननुविवा
नरु. ग्रीधकसु. माकलकनलया. नख. निखिनघनसु. नल
नी ॥ ५ ॥ वननरु. निनमानि. नूपनयापानि. पुमिन.
सु. नरु. विनानरु. मुखलवष्टं. खन. मवत्रयासुक. चग्रह
रुम्बनदानं ॥ ७ ॥ ननि. गुरु. समयसमान. ग्रादन
सुकु. निननयनस. गार्. रमि. सह. नियनिरु. नन. नन
यापानि. मध्व. सु. इन. वदनस. गार्. ॥ ८ ॥ ग्री. जय. द. व.
निन. मि. न. म. नि. स. य. मध्व. नि. पु. नि. धु. व. न. गी. रं. सु. ख. म. ख.
क. ली. न. ना. धि. क. या. क. धि. नं. वि. न. ना. कि. न. य. न. गी. नि. रं. ॥
॥ ९ ॥ ॥ ना. ग. क. द. ना. ॥ १० ॥ मा. मि. य. क. ति. नी.
वि. ला. क. रु. न. म. धु. नि. व. य. न. र. मा. ध. ना. ध. क. या. म. या. पि. न.

विनाशनिहयन॥ ५ ॥ हनिहनिहत दत्रतयाः नुहनि
 तासाकृपिननहनि॥ १ ॥ किं कृतिस्वदि किं मदि
 व्यानि सातिनीवेनरुनरकिं न किं धननकिं मम
 जाविननसुखन॥ २ ॥ विनयामिन दानमं कृतिन
 मुकायहननरुणनपद्यविवायात्रनमनाकृत्तमन
 न॥ ३ ॥ नामहृदिसङ्गनामनिसमृ संलमयामि
 रकिं ननूसनासिनामिह किं मृथाविलयामि॥ ४ ॥
 तम्विखिर्नमसूययाहृदयकवाकल्यामिरतर्कवाप्रि
 कृतागनासिन ननननूयामि॥ ५ ॥ दृष्ट्यस्य दृष्ट
 नागनागन भवमविदधसिर किं मृत्तवमसमृ मयनि
 लमृननैन्ददासि॥ ६ ॥ कुम्यनामयनकृदापितवह
 भनैकनामिरदहिसुन्दनिदर्शननममममथनइनामि

॥ ७ ॥ वरिन्तयदवकनरु ननिदस्यनननरकि
 न्दविल्लसमृडममृ वनाहिनिनमनन॥ हनि॥ ८ ॥
 ॥ ९ ॥ **नागकक्षा** ॥ १ ॥ निन्दतिवन्दनमिन्दकि
 ननमनू विन्दतिखेदमधीनरवातनिलयमित् ननग
 नलमिव कनयनिमलयसमिर्न॥ २ ॥ माधवसावित्र
 हनवदिना माधवमनसिजविसिखमृयादिवलावन
 याखयालिना॥ ३ ॥ अवित्रलनियनितमदनसगादव
 रुवदवनायविर्नरुहृदयममनिवर्मकनानिरुज
 लसिनिन्दलजार्न॥ ४ ॥ कसूमविजिखसलनत्यमन
 त्यविलासकलाकमनीयैरवतनितवदपात्रेनरुगुखा
 यनिकनानिकसूमयनीयै॥ ५ ॥ वहनिविनाल
 वितावनजलधनमानकमलमृदार्नविधुमिववि

नवि धनु द ई न ज दलनगसि नाम न धात्रं ॥ ४ ॥ वि
सिखनि न हंसि कृ न ऊ म द न ह व न म स न ज न नु न र प्र
भ म नि म क न म धा दि नि धा य क न व न न न व न न ॥

१ ॥ प्र नित्य द सि दं म पि नि ग न्द नि मा ध व न व व न
ल प नि ना ह र ना यि वि भू ख म यि स य कि सू धा नि धि न
पि न नू न न नू दा ही ॥ ३ ॥ धा न ल य न पू न प नि क
स्य ह व न म नि व इ ना यं र वित्त प नि ह स नि वि ग्दि न्द
ति आ दि नि व क्ष ति मू क्ष ति ना यं ॥ ५ ॥ श्री ऊ य द व
ह नि न भि द म धि कं य दि म न स न ट नी य र ह नि वि न ह
क न व ल व य व नि स खि व व नं प थ नी यं ॥ ८ ॥

ॐ ॥ नाग विसाखि न को ला व ॥ य नि ना ल ॥ सु न वि
नि हि त म पि हा न मू दा र्ज सा म नू न ह ह न नू न ति हा न

॥ १ ॥ आ धि का ह नि र ना धि का वि न ह न व क स च ॥ धा स
न स म स न म पि म ल य ऊ प र्क र प्र स्या नि वि ख मि व व प
सि ल स ह ॥ २ ॥ धा सि त प व न म नू प र्म य नि भ ह र
म इ न द ह न मि व द ह नि स दा ह ॥ ३ ॥ दि नि आ दि न
वि कि न नि स ऊ न क न जाल र न य न न सि न मि व वि ग
नि न ना र्ज ॥ ४ ॥ न य न वि ख य म पि के स ल य न र्ज
र क न य नि वि हि त ह ना स न क र्प ॥ ५ ॥ ह य न नि म
पा नि न ल न क पा र्ज र वा ल ग नि न मि व सा य स लार्ज ॥

६ ॥ ह नि नि नि ह नि नि नि ऊ य नि स का र्म वी ल ह वि
हि न म न ल व नि का र्म ॥ श्री ऊ य द व ह नि न मि नि ठि
न र स र्व य नु क ण व प द स य नी न ॥ ८ ॥ ॐ ॥

नाग विसाखि न ॥ वहा न म ल य स मी न म

पि या नि वि न म क र म स द व न ह त न न व न य स य म
नि र का म ॥ ७ ॥ श्री ज य द व क न ह त्रि स य ह न नि
य न म न म नी य र प्र मू दि न ह द य ह त्रि मा न स द य म
गु णी स क न क म नी य ॥ ८ ॥ ॐ ॥ ना ग हे न व ॥ पु न ॥
प्र न ष्य नि दि शि दि शि त्र ह सि ह व नः ना द ध त्र म धू त
स धू नि पि व न ॥ १ ॥ ह न ना ध ह न सी द नि ना ध वा
स ग ह ॥ ५ ॥ ना द हे स न न त र स न म ल सीः य न नि
प द नि नि य नो व त्र कि ॥ २ ॥ वि ह त पि स द वि मः
कि स ल य द ल य जि व नि य न मि ह न व त्र नि क ल य ॥
३ ॥ मू र न व लो कि त म न्द ल लि ला म धू नि य न हः
मि निः ता व नो सि ला ॥ ४ ॥ स्व ज नि मू पे नि नः क थ
म त ह नः ह नि नि वि द निः स वि म न्द व न ॥ ५ ॥

श्री ष्य नि चू व नि ज लं ध न क ल्प ह नि रू प ठे न ष्ठ ति नि
मि ल म न र्थ ॥ ७ ॥ ह व नि वि ल म्बि नी वि ग त्रि न ल
श्रीः वि ल य नि त्रा द नि वा स क स ज्ञा ॥ ८ ॥ श्री ज य द व
क व नि द मू दि न त्र सि क ड न न नू ना म नि मू दि न ॥
९ ॥ ॐ ॥ ना ग द नि ॥ उ ना ल ॥ क थि त स म य
पि ह त्रि त्रि ह ना य यो व न र म न वि स्तू त म त द नू रू य
म पि यो व न ॥ १ ॥ या मि ह क मि ह म न न स वि ज न
व व न व शि ना ॥ ५ ॥ य द नू ग म ना य नि नि ग ह न म
पि सि ति न र न म स ह द य म स म स म त्र यी श्चि न ॥ २ ॥
म न म न न म व व त्र म नि वि त र्थ क न ना र कि मि ह वि प रा
मि वि न ह न न द य व न ना ॥ ३ ॥ अ ह ह क ल य म
व ल ना दि म नि द खि न ह नि वि न ह द ह न व ह न म न

इखनं ॥ ४ ॥ मासि हवि धूनयति मधून मधून य
 मासि रंकायि हवि म नू हवे नि क न सु क न कामि नि ॥
 ५ ॥ कसु म सु क मा न न नू म न न सु सिल यार प न
 पि रु द ह नि मा म पि वि य म णी ल गा ॥ ७ ॥ अ ह मि
 ह मि व ण मि न वि ज त्रि न व न व त सार स त नि म धु स र
 ना मा म पि न व न सा ॥ ८ ॥ ह त्रि न व न स त न ज य द
 व क विल त नि र व स नि ह डि यू व नि ति ना का म न क
 ला व नि ॥ ९ ॥ ॥ का ण न स न ॥ १० ॥ स
 व म म ना वि न विल वि न व ण म र ग लि न क स म द न मि
 नालि न क ण ॥ ११ ॥ का पि म धु नि यू ण विल स नि
 यू व नि ना धि का गु ना ण खिः का पि ॥ १२ ॥ ह त्रि प नि
 न म न व लि न वि का र क व क न ण प नि न व लि न

हा ना ॥ २ ॥ वि क व ज ल ऊ ल लि ना न य न च डा
 र नो द ध न पा ण न ल स क न व डा ॥ ३ ॥ च क ल क
 द ल स लि न क पा ला र मू ख त्रि न न स न ज य त ठा नि ला
 ला ॥ ४ ॥ द यि न वि ना क न ल ऊ न ह सि ला र व रु
 दि धी क ऊ नि न त नि न स न सि ला ॥ ५ ॥ वि य न र
 ल क धु ध व प धु र क र ण्वा नि न मि मि लि त वि क स द
 न ण ॥ ६ ॥ अ म ज ल क न रु न धु र क ण नि ना र य
 त्रि प नि ना त सि त नि न ण धी ला ॥ ७ ॥ णी ज य द व
 नि न ह त्रि व त्रि न र क नि क न र ख र्ज न य प त्रि न स मि न
 ॥ ८ ॥ ॥ का ण न स न ॥ ९ ॥ स मू दि न
 म द न न म नी व द न चू म न ल लि ना ध न र वि लि न नि
 नि न क पु वि न स द ल क मृ ग मि व न ज ली क न ॥ १० ॥

नधूना नमन ऊमूना पूतिन वदह विजयमूना निन
 धूना नमन ऊमूना ॥ ६ ॥ घनवय नृविन नवयान
 चिकुन नतलिन ननृषत हार कृवक कृमम च
 रुलासूमन नतिपति मुग कानह ॥ २ ॥ घनः
 यानि सुघन कृदयूग गगर्जन मुग मदनृविनृखि
 नमनिन ससमल तालक पटल नखधद सजि
 मिन ॥ ३ ॥ जिन विजस कल मुइरुज यूगल
 क नन नलिनीद नर मत्र क नवल य मधू क ननि
 वयं विन नति हि स गी नन ॥ ४ ॥ नति गृह ज
 घन विधूला पघन मनसिज कनका सन रमनि
 नस नमन नान नहसन विकिन निरुत वास न ॥
 ५ ॥ यनना कसलय कसलानिलय नखमनि

नया जि नर वहि नप ह नन याव क ह ननं जन यासि
 हृदय याजिन ॥ ७ ॥ नम यनि सह स कामपीसू
 हस ख नृह नध नसा द नर कि मरु नम वस विनमि
 ह विलस वेद सखि विनया दन ॥ ८ ॥ वृह नत
 ह नल क न हति गुनल मधू नपू यद सव कर कनि
 यूग वनिज नव सनु इति न कवि नृप गी जद वक
 ॥ ९ ॥ ॐ ॥ नाग मेनि ॥ १० ॥ अनिल नतल
 क वलय नय नभ रय ननि नसा कि सलय सय नशी ॥
 १ ॥ सखि जा नमिका वन मालिन ॥ ११ ॥ विकसि
 न सन सिज ललिन मुख नर स्मृ ननि नसा मन सिज
 वि सखन ॥ २ ॥ श्रुत मधू न मुइ नन व नन नर
 कल नि नसा मन यजन वन न ॥ ३ ॥ सुलजल

मङ्गलम्

हृत्पुत्रः कनकचन्द्रः नरलालः निनसाहिमः कनकचन्द्रः
न ॥ ४ ॥ मङ्गलज्जनदसम्पदयन्त्रविनरदल
निनसाहिमः विनविनरहः ॥ ५ ॥ कनकचि
यन्त्रविः सवि वसुधनरः सितिनसापात्रः जनहसि
कनी ॥ ७ ॥ सकलज्वनजः वरुनरुहर्नरवहनि
नसात्रजः मन्त्रिकः रुहर्नी ॥ ८ ॥ श्रीजयदवहः निन
मन्मथनरः प्रविमरुहः त्रिपयिः हृदयमलन ॥ ९ ॥
॥ १० ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ तस्य जनिः ॥ नृजनिजनिनगुः
जागत्रगागकः खायितमलससिवर्तः वरुनिनयन
मन्त्रगागसिवस्तुनः मन्त्रिनसाहिनीवर्ग ॥ ११ ॥
साहिमाधवः साहकजवः साधदकैतववाटः नामन्त्र
सन्त्रसन्त्रसात्रहः त्रावनः सातवहनकिविखाट ॥ १२ ॥

कञ्जलमलिनः नविलावनवृम्भनविलविननीत्रय
मन्त्रयः दसनवगनमन्त्रलकवकुर्कननानिठनात्र
नृन्त्रय ॥ २ ॥ वपुननृहः हतिनवस्मजसङ्गत्रखत्र
नषत्रजुनलखः सत्रकनगकलकलितकनक्षान
निःपनिवत्रनिजयलख ॥ ३ ॥ चत्रभकमलगल
दलः कसिकसिद्धनवहृदयमूदार्तः दर्शयतिवदि
त्रिवः मदनइमवः भवकिसलययत्रिवार्त ॥ ४ ॥
दसनयदहृवः तदधनगर्तमन्मः जमेयसिवनसि
खदकथयानकथमधूनापिसयासहनववपुन
हृद ॥ ५ ॥ वाहित्रिवमलिनः नननवकुर्कमना
धिरविद्यानेनृषः कथमथववयः सजन्ममन्त्रज
मसमसन्त्रजनइर्न ॥ ७ ॥ जमानेनवनलाक

सायव नखुकी मनुविचिउं प्रथयति पुनभि केतन
 वध निर्दयवानवात्रुं ॥ १ ॥ श्रीजयदवह भित
 जनित्राणि न खानुनयुवनिविलाप ॥ २ ॥ नूनसूक्ष्मसू
 नमिद्वक्षस्य हनापिसुखइतवार्य ॥ ३ ॥ ॐ ॥
 जाग कंदाता ॥ तालजति ॥ हनिजति सत्रनिद हनि
 मधूपवनः किमयत्र मधिक सुखसखिनुवन
 ॥ १ ॥ अखिमाधव साकू नूमानिनिमानमय
 ॥ ५ ॥ तालहलादयिगु नूमानि सत्र ॥ किमविहृति
 नकनूखकवकनस ॥ २ ॥ कनिनकथितमिद
 म नूयदमविका ॥ पत्रिहृजहृति मनिजयनूचिनी ॥ ३ ॥
 किमिति विखिदसिता देसिविकला विहृति स रु
 वति सलागवर्षकला ॥ ४ ॥ सजलनलिनदल

श्रीगीतसयन हनिमवलाकय सहल यनयना ॥ १ ॥
 जनयसि मनसिक मिनि कू नूखद ॥ २ ॥ नूनमवयन
 मनीहितरुद ॥ ३ ॥ हनिनूयजानुव हनिवदूम
 भूत्र किमिनिकत्राखिदयमनि विधूर्न ॥ ४ ॥
 श्रीजयदवह भितसतिलसिन सुखयनुत्रसिकज
 न हनिवत्रि ॥ ५ ॥ ॐ ॥ जागदशवला ॥ ता
 लरुदलत ॥ वदसिजदिकिदिदपिदकनूविकोम
 दि हनिनिदत्रतिमीनमनिधार्नसूनदधत्रसिधवत
 ववदनवदमात्रावयनुलावनवकार्ण ॥ १ ॥
 प्रियवानसिन सूक्ष्मयिमानमानदान सपादिमद
 जातला दहनिमन्ममानस दहिमुखकमरमधुपा
 ॥ ५ ॥ सह्यमववादासयदि शुदति मयीकापानदहि

खन नखन जगत् घन नयन जवधने जनयन जख
छन यन वौत वनिख न जान ॥ २ ॥ त्वमसिमन्म
जिवन त्वमसिमन्म जखन त्वमसिमन्म त्वजलधि
लन रत वतु त्वेति ह मयि सन नमन्नाधिनि ननु
मन्मददयमनियन् ॥ ३ ॥ निलनर्लिना त्वमपि
तनून वलाचन क्षत्रयति का कनन्द रूपं रकुस
ससन्त वानलावन अदि त्रययति कृष्ण मिदमनन्दन
रूपं ॥ ४ ॥ त्वन तु कव कृत्या नृपति मानि म
जिन त्रययतु नव हृदय दसं रन स तु न स नापि नव घ
न जघन मकुलं धाखयतु मन्मर्थ निदण ॥ ५ ॥
रुल कमलगार्जन मन्मददयन त्रयन अनित्यनि
नरुपन लागे रत नमस्तु नवानि कनवानि दयकजं

सन जगत् सद नक कर्ता ॥ ७ ॥ स्मय जगत् खन्दन
मन्मद नसिमन्म न दहि वेद पत्र वम दार्तरक्षत्र निम
यिदा नृना सद नक दना त्वत् हन तु न द्याहि न वि का
न ॥ ८ ॥ इति वतु न वा न पतु वा न मू न वानि नः
नाधिकामधि ववन जातं जयनि य श्रवति जमेन जय
दवक वि लोचनि त्वनि मिति गीतं ॥ ९ ॥ ॐ ॥
मन्मद वन ॥ १० ॥ विलविन वा तु व वन वन वन
त्रविन युलियात हम्पति मन्मद वल्लसि मानि कनिस
यन मन्मद जान ॥ ११ ॥ मन्मद वधू मथन मन्मद क मन्मद
न नाधिक ॥ १२ ॥ घन जघन रुन लाज त्वन दन मन्मद
न विहा जं र म्स्वनि तमनि मन्मद शीत म्पेहि न विध
हि मन्मद वि कारं ॥ १३ ॥ ॐ नमनियन् न न न

श्रीजयदेवहृन्मिन्नमनिष्ठाहन्विहन्वावन्त्वन
 नैरप्रगमनहृदिभुविन्नविनिक्षयहृत्सुकुताह
 यसारं ॥ ८ ॥ ६ ॥ नामकलिनाया ॥
 किंशलयस्ययत्नतत्रकृत्तामिनिवन्नमलिनविनि
 वधरतवपदपल्लवबेनियताहवमिदमन्तुवदुस्
 वणं ॥ १ ॥ कुन्मधूनाभनायनमन्गनमन्गलजा
 धिकं ॥ ५ ॥ कनकमलनकजामिववनमहमाग
 मितामिविद्वन्जनमूपकृत्सयनापत्रिमाविवन
 पत्रमन्गनगर्भं ॥ २ ॥ वदनसूक्ष्मनिधिगलित
 समृत्तनितचयववनमन्कलंरवित्रहमिवाप
 नयामिपयाधननाधकमूत्रसिद्धकलं ॥ ३ ॥
 प्रिययनित्रमन्तुहसवलितमिवयूजकितम

निद्रनकार्यंमइनासकृत्कलसंविनिवणयता
 खयमनसिजलापं ॥ ४ ॥ अधनसूक्ष्मसमूप
 नयलाविनिजीवयमन्मिददाहंरत्नयिदिनिहित
 मनसंवित्रहानलदग्धवपूखमविलोषं ॥ ५ ॥
 शलिमुखमुखलयमनित्रसनागुनमन्गुनकल
 निदानंरगुनिशगलपिकरुतविकलमन्मसम
 यचित्तादवसानं ॥ ७ ॥ सामनिविहलन्खावि
 लीकनमवलोकितुमधूनंदंरमिलितलज्जितमि
 वनयननवविसृजयमन्मन्निखेदं ॥ ८ ॥
 श्रीजयदेवहृन्मिन्नमीदमन्पदनिगादिनम
 धूत्रिपूमादंरजनयनुनसिकजनंममनाह
 ननानिप्रसलावविनादं ॥ ९ ॥ ६ ॥

गंगाविनास ॥ तथा ॥ आनः गन्तुं दानायायनः केल
 निवासः दानायायनसर्वकपूतः ॥ १ ॥ उक्तं
 ननकनः खचिनकनलानिः ननुमदिलसहलनिसम
 कानि ॥ २ ॥ नुसंखलाननजगजवकहाथः गन्तुं
 गनिनाहः जीवन्मर्थ ॥ ३ ॥ उल्लेखनसद्वयः
 वृषतकः आनः आगमनिष्ठमयाः अन्ननहि जान
 ॥ ४ ॥ ननुयजगजानिकहः हकलदवाः कुल्ले
 ककलमकलननुआमया ॥ ५ ॥ ॐ ॥ दशाति
 गोहा ॥ ५ ॥ नद्यनसम्बन्धः नपिथिः अम्बन्धः नमिल
 येवउध्वानः ननयवायनः लाखावियाकनः किमपि
 दविश्राहान ॥ १ ॥ अमाकनिगमावतगडतिः सक
 नसम्पतिः मेखाजिआवनः पावलरुसमक्रानि ॥ ६ ॥

वाणुकिजिउवः पवनपिउवः रुनजिउयविखषायः
 सवकस्वामिः इरुनामिनलः हामयिक्कोनउपायी ॥ २ ॥
 पनपटकनः गन्तुं यानकनः पाकनरुहोहनिगमतिः
 नाहिवृक्षहाथआविद्धिदननिः नुमायिपापिनिष्क
 ति ॥ ३ ॥ मायनसावलः वायनखाडलः खाडलदे
 वः आयनः विहिकनिखनः मनिनहायनः आकियसन
 उमन ॥ ४ ॥ रुनायविशायनिः नुनयात्रवनिः हनक
 नबालमन्दाः अहिमरुखनः जगनरुखनः नुगुनिमृगु
 दाता ॥ ५ ॥ ॐ ॥ गंगाललिनहेनवि ॥ ॥ रुनि
 वकः पः कहुवधूमानः जीवन्मर्थयकजगनउपा
 य ॥ ६ ॥ दिगम्बसुखासिवः काकवसनः वसाहवनन
 माहिविवदम्बजानु ॥ १ ॥ रुनयानिजनः रुजन

ना ३. ह म क न ना व य द म नू व जा ३ ॥ २ ॥ नि न क छ
 शिव स्व हित ग क. वि ह ति ह ना क न या न क नू ॥
 ३ ॥ ह न य वि शाय ति. शिव क व न न ग ति. अ न का
 ल न. मा हि द व व न न ग ति ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥
 तु ल सि म हि मा प्र ना न स र्हा क ॥ ५ ॥ पू नू व स र्हा ने त्रि न.
 शिव का म ना. तु ल सि पि या न ला न. म ह स्व य ना न ॥ १ ॥
 शि वा न तु ल सि पि ल. ना म अ हा न. ना म न तु ल सि पि ल.
 ना व न थ य ना ॥ २ ॥ अ पि नि म न मू ना स तु ला स पी
 ल. थ गु लि ह ल न ला न. अ पि ला अ ला अ ॥ ३ ॥ तु ल सि
 आ ख न म ल स्व म ल वा न अ क्का अ न व य क छ य नि
 अ नि दा न ॥ ४ ॥ तु ल छि क ग ह न. आ ग नि धि न.
 क्का क क या म न न थ. पू न या अ का म ॥ ५ ॥ ॥ ॥

उल्लिखित
 २०

य ह लि ना ग ॥ ॥ म न ह ल र ह ग न वि स न ॥ ५ ॥
 बाल क व व क्षा ग या अ य स्म र जा ह न ह या स र्हा ना
 ती ॥ १ ॥ वृ ष ह या न नू अ न स उ या ज य र ग ल व
 स र्हा या ज व ती ॥ २ ॥ ह द य ना म ना म. म य न हि व
 ना र द र व न वा जि हा नि ॥ ३ ॥ क ह य क वि न. अ व का
 व ना र ज म ला क. आ या द वा नि ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ना ग
 ॥ ५ ॥ ह स न र्हा ति ह ल वा नि. उ ज न व न न स्व हि ग
 क्का छि ह ति. मा पि ह स न स्व ति ॥ ६ ॥ तु म न हि ग न
 ध्वा न तु म न हि गु म न न. व क्का वि ष्ट व र्वा नि ॥ १ ॥
 ह स न र्हा ति ह ल वा नी ॥ २ ॥ ॥ ना ग ॥ ॥
 गु र्हा वि ना य क जी न श्व व य. म नि द ह स वा ना नि
 ह लि व ॥ १ ॥ अ य ह न य गु य ति. अ क न अ जि न ह

म न र र्हा
 २०

ह स न र्हा
 २०

हस नहि जान न मायि. कानू माग दा न. खूँ रुत्रि जा
 न दिवा. वा क न पा न ॥ ३ ॥ रुन या विद्या पति. शुन
 ह का रु. नि निया ज न म द हा. ज इ क ल जा ज ॥ ४ ॥
 ॥ ५ ॥ **नागमात्र** ॥ न विकल उपजल. न हि स व न न
 पति. नाग द व. नृ प जान. ग रु द व शु न. न ग सिंह द व.
 रु प नाम सिंह द व वृ म ज्ञानि ॥ १ ॥ न नि क न द न धि
 के. रु व सिंह द व पू रु. क न म हि रु द व ना य. रु य ति रु न
 सिंह. नृ पा ल आ य ल. नृ हि व न ल सिंह क प न का स्य ॥
 २ ॥ द व म ल. नाग म ल. अ स क म ल द व. ज य धि नि म
 ल. क न थी क. न रु सु रु ज ख म ल. ना य म ल शु न न. रु व न
 म ल व द वि ल ॥ ३ ॥ नृ काल क म ल थी क. ज्ञान म ल द
 व पू रु. वि स म ल. वि ण व र का न. न यी ला क म ल द व. नि

रु ना थ स म. ज ग जा ति म ल. शु न क व र वा न ॥ ४ ॥ न न
 स म ल द व. ध न म म व ति य क. न नि रु ज न हि. रु प आ
 न्य. न नि शु न नृ प व न. ज ग न प्र का स म ल पू रु. ज य
 जि ना मि रु जा म्भ ॥ ५ ॥ ज ग न व द या वि. व न न व न स
 अ लि. म नू नू ज उ ना ल क न ग्य ला. गि रु व न ज ग नि. प्र न
 दी प ज य थ नि. ज प न प नृ हि ला धि रु ल ॥ ६ ॥ ॥ ५ ॥
नाग ॥ **वा** ॥ म रु नृ प सं खा शु न मा न. वा ग व द
 न य हा उ ॥ ७ ॥ व द वृ का का दि ना. ना हा न न द ख ल ॥ हा
 उ मे या म्भ य. हा उ के स्य हा. कृ ष्ण इ न ख ल न म ल जा
 जाल ल. म नि. हा उ आ ज ग ॥ १ ॥ वा ज न नृ प वृ ल
 व नि ना जा. इ स य न रु व शु जा नि. व लि कां वा धि य.
 द ल म थ या ॥ २ ॥ नाम नृ प रु म उ ना व न मा न. द

गसि न विसरु मा. लुविख न कं ना ज निल क दिय ॥

३ ॥ कृष्ण रूप ह म न क स प च्चा न व षु द व व न्दि छा
ना या उ प्र स्य न कं ना ज निल क दिय ॥ ४ ॥ कृष्ण कृ

ह म ल ग्मे न व ला ज न क ल वि न्दा व न मा न य व
ह प न सा. कालि ना ग भ थ ॥ ५ ॥ बाल क रू प ह म

मा नि खा या. नि र्मि ला क द ख य ग्रा उ षु न दा स पु रू न
धि ग नि ली ला. मू प च न निल जा उ ॥ ७ ॥ कृ ॥ ग

मा हा ग ॥ ८ ॥ नृ हा ह न व स ल कालि का. षु न न न म
नि स व स्य वि नं ॥ ९ ॥ क व। न प न न मा न कि आ सा. ता

स व न न ह न वा सा ॥ १० ॥ ज न नि क त्रि क ह रू ला नि मा ला
तु म हि ह मा गि नि वा ला ॥ ११ ॥ य न का स क ह वा न स

ख ल ला यी. क व हि मि ला ज य मा व ॥ १२ ॥ कृ ॥

ना ग वि ज य ॥ १३ ॥ प्र थ म हि षु म न न गुर ग न स. द थ
व ह यं व न ह न थ क न ॥ १४ ॥ क न निल षु न द. म नि म

ल्य हार प्र म ध त्रि य नि व. न न ध क हा ॥ १५ ॥ न षु हि दि
ली गी स कृ. नी क वि हा र अ धि स न षु न द न. वा घ ष्टा ला ॥ १६ ॥

व न्द न निल क ज ना. नी न म न र्ज र ति ह व न थ कृ ल ह ख
न ह ॥ १७ ॥ ल्व ह हि ष्य हा व न. मू न म न ला र ज ग न प्र का

स नृ प को रु उ ला ॥ १८ ॥ कृ ॥ ना ग मा न व ॥ ध न ॥ वा
मे क व नि दु ज. सा ज प ना ना. तु म थ कृ ल. हा म्य स्य ज क

व ला ॥ १९ ॥ बाल वा र बाल ह नि. ना म ॥ २० ॥ नृ का द सि
व ल् अ र्ध न हि. खी ला ज. ना क ह न न. दा स ल ग म ज न ॥

॥ २१ ॥ ना म द अ वि नृ. जी य न सा न. जा ग न जा ग न.
द व मू ना नि ॥ बाल ॥ २२ ॥ कृ ॥ ना ग रू प वि ॥ २३ ॥

कनिक उ पय कन दख न कायि नाम हगत विनू मृगुत
 न हायि ॥ ६ ॥ दख दखि चल सखि निन थ न हायि सा
 निखन हाय मन मयिल न जायि ॥ १ ॥ कम ना कम वा
 यि पुन्य इ दू नयि व रु रज च न न कमल निरुलायि
 ॥ २ ॥ कहय कवि न गुन रुन लाहि नाम च न न मन व
 हिन न जायि ॥ ३ ॥ ॐ ॥ **नागनाम स्तोत्र** ॥ ४ ॥
 जय दव दवि जाग निद्रा जाति नृप जना मुखि सकल न
 गुन सहालि स कन दव गन सव किय शुखि ॥ ५ ॥ गु
 द सखि इ यि सवन कुन्दल सिंह जामिनि गु गु नि कालि
 का कु खर्ज ख पन धनु ज ख दि पा वनि ॥ १ ॥ जय अम्य
 अस्वा अम्बिक निज रुग रुग नि म न हाहिनि मूढ माल गु
 क ॥ स्व ति न आदि कादि नि व धना ॥ २ ॥ न तु क य न

य सि ह जय य ज्ञान नृप हन नीत यी द न क उ न वि न रु
 धन जन पद म पद य न म्ब ख नि ॥ ३ ॥ ॐ ॥ **जागन सा**
 य न म ॥ **नाग** ॥ ताल वा क ॥ त्रि हवन ना न नि ह ज ग द
 म्ब ह म निल दि र क क ता ह अ म्ब न म्ब ॥ १ ॥ जन कुल गु
 न व धू म्ब हा न धू निल रु क तु र न ज ग न वलि लाला
 ॥ २ ॥ ज हा गु जन कुल म्ब हा रु ल वा म न ज्ञान क उ म न
 र र ज नि हा न प लि न म ॥ ३ ॥ नृप ज ग जा नि र म व ल
 पू रु अ न काल मा ना वि स्या लि ल ज न ॥ ४ ॥ ॐ ॥
नागनाम ॥ **पना** ॥ ति खि इ खि मा गी ह न व स थी म
 न मा न इ नि क अ ध न थि क धू धू न म मा न ॥ क रु द
 खाल नि ग न ति खि या मा ले न र नि व रु अ ग न या ग न
 ॥ ५ ॥ हा ल मा ल घ म्ब यि न य न नि म य ध म्ब क उ न ध

अथ मन्त्रः
१
२
३
४
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४
१५
१६
१७
१८
१९
२०
२१
२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९
३०
३१
३२
३३
३४
३५
३६
३७
३८
३९
४०
४१
४२
४३
४४
४५
४६
४७
४८
४९
५०
५१
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

लयरमायिरुवाघलावन्धः॥ २ ॥ हनयविद्यापति
ज्मेतिविकलमतिः शिवकचलयितः हनकचलेनमा
यिरुचनः शृङ्गनिः कउदः॥ ३ ॥ ॐ ॥ **गुणनिर्गुण**
॥ ॥ अथ मन्त्रः लारहा प्रसा नदहः कानितला॥ ५ ॥
नुहाजेस्यः शुभमूनिदरुतयम्बनः नैस्यः शुभगनमानिः
हमजास्यः आसपनः अगजमानुविप्रगनकयनसहा
नि॥ १ ॥ नुहामधुकनरुमलयः स्वाशुदः अनिवनः धू
मलावनः ऊकातिः चन्द्रमूद्रालनः विजयमानाः शुभ
निः शुभनिः कालि॥ २ ॥ नुहाजयः अविमन्त्रकः शुभ
नविन्तुः ऊः जननस्यसिद्धिपावः सर्वकार्जसिद्धिहा
स्थानरुतिः विद्यापतिकविकानि॥ ३ ॥ ॐ ॥ **ना**
॥ ॥ **अनभिमानात्वरुजगः** स्वनिः आसाः मनसा

हानिपत्रः
१
२
३
४
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४
१५
१६
१७
१८
१९
२०
२१
२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९
३०
३१
३२
३३
३४
३५
३६
३७
३८
३९
४०
४१
४२
४३
४४
४५
४६
४७
४८
४९
५०
५१
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

पूजनदरुल्लानिमाना॥ ५ ॥ नुहावदयः ऊः आनज
पनयः माहियः अनाथः उधनः कजाः जन॥ १ ॥ नुहा
याविन्तुः अहिः आगतिमानः दविपदलाः अनः गतिमानः
धनः जन॥ २ ॥ जनरदखनः इखनः हिलानः नुहिदखा
स्यः ऊः नाखः सजनः जन॥ ३ ॥ निनदखिः रुलमानः इ
तिनविः सानः सर्वविच्छनः कयः दहपयानिः जन॥ ४ ॥
शीजयः आगननिः ऊः ऊः मल्लः अजनुः नित्यरदनसन
दरुल्लानिः जन॥ ५ ॥ ॐ ॥ **गोपनागः** ॥ रुनि
वसः ऊः कागतिम्यनाः ऊः मरुवलिहानिः नना॥ ६ ॥
पूरुवजनमनपननदहियायाः शिवगुनः उविन्नः क
वहनः अयाः रुनि॥ १ ॥ कालखवेस्यः रुमः खलनः गुमा
याः पदमः पूरुखपदः स्यविन्तुः लायाः रुनि॥ २ ॥ दानद

विजयनगर
गुप्ता
४५

या नयः सपनामनुयाया नातिरकहनुमनपकृताया
॥ ३ ॥ विर्वृत्यसलागउपजयकाया हारकननडा
मगमाया हणि ॥ ४ ॥ ॐ स्वजन्मनहनिगुनग
या निसिदिन हतिरुनरुगतउक्षयाः हणि ॥ ५ ॥
॥ ॐ ॥ गगन ॥ ५ ॥ निचवनसुहर्नरदिव्यखर्गह
गवानरपितवर्धुधनन लज्जत्यहर्न ॥ ६ ॥ चक्र
सत्रजितवापवायक विन्दुखर्गविधननरपवजदिनि
गुखविन्दुवायक ममूजयरसुहर्न लज्ज ॥ ७ ॥ ॐ ॥
गगन ॥ ८ ॥ ज्वजति ॥ गुसातिना कयलुगि संभल
आर्ला ॥ ९ ॥ तुलसि नातिस्वति हतिशक पूजा एतया
ललावदन निलो कवनाजउ नामक पू अजनालमना
हन अहिनस हनिवर्जनमगमा ॥ १ ॥ ॐ नम

१६
विजयनगर

जान धननज्ञान न जानला प्रमरुगति न जानला
पिडपति लोकलथान अरु काल हनिवर किमगति
हर्ग ॥ २ ॥ कइलन धनजन कइलन सम्पति क
इलन शवतिनाति हतिशक पू धनकइलन हिलन
गुखया वय विसलिल मडानि गुसा ॥ ३ ॥ माति काति
रहदवनाउउ लोकवाल धनमना नडाकयजिल ज
मला आर्ला अहि धनन गिवरन जानमना गुसा ॥ ४ ॥
हिन्दुअल धान अलकनिननन तुलकुला धान सुदाम
शया परमलाज लाज ननन उमरुन हनिव अल
नया ॥ ५ ॥ गुसा ॥ ६ ॥ ॐ ॥ गगन ॥ ७ ॥ हस
नस्वतिरुतवानि उजनवननस्वहि गगना हनि मा
यी हसनस्वति ॥ ८ ॥ तुमनहि गनधन तुमया ह ॥ ९ ॥

त्रि॥ ६ ॥ आसपासलन नागन समगन विन्ननर
जात्रियानत्रि॥ ७ ॥ पहरजिकिरानित्र जागि नइ
हा वनरधूधनहिने॥ ७ ॥ मिलाक हनुपहर गि
निधननागन उन्मजर नामकि नत्रि॥ ८ ॥ ॐ ॥

नाग ॥ ९ ॥ वाजन अननकवका वय उधपूल
२ ॥ ६ ॥ नृपदसत्रधग ह नामजमहय हताभा
निरगजरुलनानिह उधपूल ॥ १ ॥ गृहरथानिक
लवृजवनिनः मरुलगभयिव कायियउध ॥ २ ॥
दुलसिनास मनाकनहुषिव उन्मजर किनासि उ
ध ॥ ३ ॥ ॐ ॥ **नागनापनावा** ॥ शिव नद्यनसम
ननपिधिअम्वन नअमिल पक्क उधन ननय
वादन लारविवियाकनः नमायि कविआ हात्र ॥ अ

वाजन २०
निधननाग २१

मानकनिलामाअक गउनिः सकलसम्यनि मनु
खाजिआशन पाडल हसमानि ॥ १ ॥ वाधुकिजि
उव पवनपिउव हनजिउपविखवायी स्यवकस्वामि
इरुनमिनल हमायिकउनउपायि ॥ २ ॥ यनयन
कन गमनवानाकन पाकन होहनिगमकि गहिवृधा
हाधुआविधिदत्रनि हमायीपापिनिष्ठाकि ॥ ३ ॥
मायनगमचल वाप्यनखाजल खाजलदयिवअप
न विहिकनिखन मजिन हायन साकियमनउम
न ॥ ४ ॥ हनयविशायनि गुनपानवनि हनकनवा
त्यमनाआहमहस्वन जगन वस्वन रगुनिमगुनि
दाना ॥ ५ ॥ ॐ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ वदयनवमाहुजि
वकनगुनिनवध ॥ ६ ॥ कहयमनाधान गुनप्री

वाजन २२

यत्रावनलेशकोकवृद्धिकमायीः जाकजिनाहननुम
 ल्यां ॐ थ. नामलक्ष्मन. लायीकजिवक. नघानिलवक
 ॥ १ ॥ ॐ सलक्ष्मकनवानिहनु. मघनादलखअलाः
 गानसमूदन. खालवानिहनु. कम्हकर्मजस्वलां ॐ छजि
 वकनघनिनवक्ष ॥ २ ॥ हनमनवालय. शुनपुनना
 मजि. लक्ष्मकलक्षवकां ॐ स्थनवहनपनपूलवनां
 थ. लक्ष्मधूममवायि. छजिवक ॥ ३ ॥ जावनमानः
 हिहिरवनथाय. घनर. जानन्दवकां ॐ जायजनक
 पुन. धनकवकां ॐ थ. तुलसिदासपु. ग. ॐ छजि
 वक. नघनिनवक्ष ॥ ४ ॥ ॐ ॥ **नागधनाष्टा ॥** वा ॥
 निनियपथअल. विनूनिनृग. नन्दनवादिगाया
 नगुदासा. मन्दिलदखिअयाः न ॥ ५ ॥ नन्दनदिव

२०
 निनिनपक्ष १३

इतमनहनधि. जामनलाजमांल. नगु ॥ २ ॥ न
 हिथामहनिनम. हसपिनिनिया. अकनका नवनाया
 नगु ॥ ३ ॥ थादिदखानिया. पछनिहाना. अरव
 काहाधुं. कृदिक. नगु ॥ ४ ॥ अशानगुदासा. म्या
 लखावैथीया. वउदिस. वउलक्ष्मनाया. नगु ॥ ५ ॥
 शुनदासपु. तुमानिदनसक. गजिवनिवाजकि
 या. नगु ॥ ६ ॥ ॐ ॥ **कदाजाया ॥** पु ॥ नमोरमा
 हायि. खरुजगदिस ॥ जिनिहअ नपति. मानालाव
 नदीस ॥ १ ॥ नहनविलु. वानि. मनिमयथासः
 शुनगानमात्रकननाभरुसन ॥ २ ॥ वननसन
 कुडा. खवनामयाय. मुखरजनकय. खंहिरुदा
 स ॥ ३ ॥ पननापदव. वानि. रुगति. निपूम

नमोरमाजगाया १४

शिवसागर ३५

॥ नमो भगवते ॥

५१०

दयो. नारदा. धनि३॥ ४॥ ॐ ॥ नाम ॥ ना ॥ ३ ॥ न

5710

स्वरुण उक्ता क्रिया त्रित उध्व ॥ ५ ॥ असुजी हवनया मनि
 थथीरु कननि जीकववननखन कवृजाज दिव ॥
 १ ॥ डिपनी अलानीन तजल प्याचानकिन अरुगु
 नि इख शला थथीदलाधिन ॥ २ ॥ गध्वन थजिअहन
 थगुलि इख गुकन ठ इव्यमननस्य असया ककीन ॥ ३
 ॥ थ इख स्य हलप्यन सिय दुमनयन विरु निअकश
 हान कन्य थच निउ ॥ ४ ॥ ननमनि उनखाल अस
 या खल जीधाल असया जि नगलस छि कन पननि
 ट ॥ ५ ॥ लाकक्रया थविन नि असचन स मति विप
 नि सधीन जयाय विप निन ॥ ६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 आह नाम मा जपा रुना ॥ ७ ॥ यक सखि आयल प
 लंजि विद्या अत यक सखि आ अत पान खलायी य

गोपनीय २

कसखि इनि इनजायी ॥ ८ ॥ आनेन मानि ज देयाव
 दन कघाति आनिन मानियी इनन गितादवि माया
 गणी आनिन जाय ॥ ९ ॥ गयागजा धन गमना हा
 य कागि विमल न पिलाग माधव उदिगल माहि जग
 नाथ ॥ १० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 जयनि जयर सकलालय गजिता दिव दमूजा जय
 ॥ ११ ॥ जघन विवसन तादि लिखम कृष्णिता नरम
 दजा ह मति नीन वृद्धि द वृत्त गन शधि हिम त वृ
 जवन निनी जया ॥ १२ ॥ अमुनवन गुन हात न स इन अ
 रुना गुन सादिनी कीरति कतिर हसि वनिनी सनति
 नतिर कापिनी जय ॥ १३ ॥ इति न धम नम सा म पा कृ
 ति तान का पाने रुपिनी कालिका तन रुपिनी शक्ति

गोपनीय ३

लिका लनरूपिनी जय ॥ ३ ॥ रूपजगजय आस
विनय मन्मसक वनयन विलसित अदि अविलस
हीर्षिक मुखनरु सुखसम्पन्न जय ॥ ४ ॥ ॐ ॥

रत्नमाला ३१

नाग ॥ ५ ॥ लजलहाणविन्द कानसमाना ॥ ६ ॥ लं
वनधनलगापानलगापिनिपति वंसेलपाल गीनधनम
नप्रहर नीन अन्न नन्द लालन लालन नअनिधिनि
गमविचान लज ॥ १ ॥ कलव कृष्ण पानिधिक कृ
ल कसुक कनन अयाग मानप्रहर प्राधनाथपूर
लमनम प्रहर्षा गिजमनिमकन अल लज ॥ २ ॥
मृतानीधनमक दम्पधुर्द मनमाहन यदअन मान
प्रह वनवातादि स्वा लनवनमा विनसन कृष्णविहान
लज ॥ ३ ॥ जगननाथ जाइ जगजिवन जिनजी लवन

मृजगना ३२

अवतान मानप्रहर मलय अधमहि हनखनननमहि
रूपहनसितजनहान लज ॥ ४ ॥ ॐ ॥ नाग ॥ ५ ॥
गीजगनाथस्वनि मन लजाना ॥ ६ ॥ वलवद्ध कृष्ण
शुभायि सननका मुख अहिलखअना ॥ १ ॥ नीन अन्न
नन्दगुनरूप निन अन्नथकूल तेस्य जन्मका परमवि
राजोय ॥ २ ॥ ॐ ॥ नाग ॥ ॥ जागीजीवनहमागा
कउजनुवनाजा मा ब्रह्ममाला उहमागा ॥ ३ ॥ जाहीलागी
नपकेला आहहामिसिनिजाग पूर्वलङ्क कनरुल स्पहा
अननागी ॥ ४ ॥ वडननिलकसर आह उन्नरुनिपति
अननगुन्दनमा ब्रह्मक अजगजाति ॥ ५ ॥ मागीवाहिल
गिव आह दमत्रवजायी गिवकलाजन मा ब्रह्म धनुन
सजायि ॥ ६ ॥ हलमाला गधम ब्रह्म आहपनानमधधः

कडान नाख यमा ॥ वाघ बाला व ॥ ५ ॥ रुनय विधा
 यनि ॥ अह रग रस्य ॥ वडन द माहि यनि वेऊ नाथ द
 या ॥ ५ ॥ ॥ नाग वस ॥ ५ ॥ हमाध व वि यम न नू
 लया घाल पि न नि न य माल ॥ ५ ॥ भिल स म डु क ल या व
 न मालान कोखाया मथूना स विष्ठा क डु नाया क स त्रिया
 न रु जाया श्री ख न न स्या क मया छा य प्र ह सि न ह म न या
 पि न नि ॥ ५ ॥ व न र हिला रु या का थ न कं ड म वा या म न
 र लाल यो ड म रु या व स पू ड म न ना या रु या थ द ना
 ड रु या छा य प्र ह सि न ह म न या पि न नि न य माल ॥ ५ ॥ न क या
 ज उ ह न व ल स ल द न्य का किल या थ थी द व ल स ज ड
 वा या अ ना ध न का स न या नि डु ह ल व स न या छा य प्र ह सि
 न ह म न या ॥ ५ ॥ ॥ नाग ॥ ५ ॥ मा जा ग नि हा य ड नि

मा जा ग नि

क ड ज न र्वा ल रु उ न्म का उ मा पा नि ॥ ५ ॥ ड र या दि ग म
 न व स थि म सान न या मा गी र हि खि पा स थि स ज नि ॥ ५ ॥
 ड र या दि ग म न हि न थि उ ड सि ने या प थ र व न का गि पू न
 वा सि ॥ ५ ॥ ड र या रु ख रु व टी ध न थि क वा नि ० ०
 न या ड म र प नि ह म हि रु वा नि ॥ ५ ॥ रु न य वि धा प नि
 डु ना ह रु वा नि वि हि नि न मा र ड न ड रु य प ना नि ॥ मा गी
 ॥ ५ ॥ ॥ नाग ॥ ५ ॥ व दि रु वा नि ह मा ना अ दि रु वा
 नि ह मा ना रु पा व न दा नि ॥ ५ ॥ सि घ व ध न नि द म्ब नू वा जः
 ना व न व ना ल डा वा श्री ह मा ना रु पा व न दा नी ॥ ५ ॥ मा यी
 क रू ग हा नि नि मा नि क मा नि डी डु न ख र्वा रु क्ष न नि ह मा ना
 ॥ ५ ॥ ह मा रू ह मा नि नि वा ल क मा नि न रू नि मा रू ह म दि
 खा वि ना सि नी ह मा ना रु पा व न दा नि ॥ ५ ॥ ह मा रू म या म न ड

व दि रु वा नि

५ जि विन निखलाया ॥ ५ ॥ हुमां दूयी वया विमखन धुख
 ३ कनिदा अमान. इनजन फन महिदा अ. इख समद न पाव
 गमहा लशुया कयाय. विपनि स दध नालना अ. बाल ॥ १ ॥
 जमान सन काथय हु काया दाख सहाय. मया नाया हथ
 या गुलि ज्ञा अ. विखा ग वचन विल. गार्थि द गत्रिल विल:
 सन मया मइ जीना ला अ. बाल ॥ २ ॥ पून वया नय हीन. ह
 या अखा जि क दिन. हिर द्रियाम क ना वा जा अ. हायर दू
 द काय. धु गुलि काथ जिना छा य. इख ल नि ल ना भ का का
 अ. बाल ॥ ३ ॥ लख मइ दा अ. उनि. मन मइ. गुह या थ
 अला जी नी मइ जि नि हा अ. विपनि अ ना अ हा अ. हन ख
 ना ना अ वि अ. बाल खया. विप द स या अ. बाल ॥ ४ ॥ ॐ
 ना ग **माल सि ॥** ॥ प्रक न. क न र वि क न वा दि नि.

३४ अम ४ जापि नी. विवृ क विवृ विवा द दा नि नि. लान नि न
 नू धा नि नी जय ॥ १ ॥ मू द मा न नि च भु क. जय शो ५ ॥
 न का वि जय सम्य. द स नी न ग्ट य. वा ध न. व न इ वा पि नी.
 प न न. ला क रु. मा द का नि नि. का कि नी का मि का कि नी.
 जय ॥ २ ॥ ॐ द व न क ल. ज ल प नि. स क ल शु न ग न व
 भु क. उ म्मा वि क म ह खं ग क न. जा गि नी ग न पू जि न. जय
 ॥ ३ ॥ वि न य. न य म नि. वि न नि ल म च ल. ज न भि दु अ प
 द. अ द्वि क. नृ प जि ना मि तु ला अ ला वि न. लान नि य द व
 भु क. जय ॥ ४ ॥ ॐ ॥ **ना ग ॥** ॥ ज ॥ जय च भु क ज
 य बाल क मा नि. म ध्य पू ल स वि धा क न. ॥ ५ ॥ ॐ न ख म
 श स्य. का लि क मा नि. मा हा स न्नि मि. मू ल कि श या अ न. क
 ल. अ शु न ग न. दि नि न व म्म शु न. ग या शु न न ल. स्या दा

॥ ६ ॥ गंगा माला ॥ ॥ कालिकानगवालि का
 कुलपाल जंगनया अखानन ॥ ७ ॥ अङ्गुष्ठाय कमा
 नु ज्ञात्रि तस असन धृष्टगुलि साज गहिल यान सिल
 याम तु कस्य क अम न कुल स मूति न घाल क या अम न
 ॥ १ ॥ लूसिन कनि रथं या अ आ नि कनि काल पन क तु
 नि न न न क वि जर्म स तु नि देव या हल न का हि रु नि
 न न ॥ २ ॥ गङ्गल न ल क न न गल स अ ण क या हा

॥ अनभियाहनवालरुडि
 ॥ १ ॥ ॥ अनभियाहनवालरुडि
 ॥ २ ॥ ॥ अनभियाहनवालरुडि
 ॥ ३ ॥ ॥ अनभियाहनवालरुडि

धनान्न
१३

नडासन हान्विष्महान. याहन प्रनिपातगतीव
प्रयाथास आसाने नयमवतकाल ॥ ४ ॥ ॐ ॥
नामनासका ॥ ख ॥ धननिकजनकहयीहानाजा
॥ ५ ॥ सरुशगमाहु. हनिवडनाजा. चात्राखुतलयी. अ
सुदनानिलदन. हयीहानाजा. लभीसरुनग ॐ हानाजा ॥
१ ॥ जीनाशगमाजाहु. जावननाजा. क ॥ नकानलयी
नकलाखयु. सआलाखनानि. साथनकानगयीहाना
जा ॥ २ ॥ डायनशगमा. जाहु. इरुधननाजा. सायवि
नसहि. खरुहु. जाजन. कुविनाज. खदगि. दनखा
यहीनाजा ॥ ३ ॥ कलिशगमा. जाहु. क ॥ हयीहाना
जा. कंसका. नाजली. मानिकसविधसजाकिंका. एमवि
कनहयीहानाजा ॥ ४ ॥ सखरुजीनाडायन. कलिशग

नामनासका
१३

वानाशगसहि. कहयकविन. गुनावनसका. जाननमन
कहाहानाजा ॥ ५ ॥ ॐ ॥ नाम आसाजनि ॥ प्र ॥ विना
कनवनमानिहमना ॥ ६ ॥ यत्रवजनपयक. कोननप
कीया. कधनहयामनवासा. वदापायहम. बुदनगुसा
ॐ जयनटिहानाजासा ॥ १ ॥ ॐ इयीमघीन ॥ यजा
यासवदजनका. आहाचा. पोनपसिमउहलहिजानाया
नवननुमनामपूकार ॥ २ ॥ हमम ॐ नुममलगुसा
ॐ जनमरुनखआला. हमकपात्रउननियगुसायी. न
वनुमखसमहमाना ॥ ३ ॥ जानकिजानाहा. नामक
विना. मजनका. हय. आगजजा. कखनावनयनम
हिछीप्य. गुमजन. नामनहानि ॥ ४ ॥ ॐ ॥
॥ ५ ॥ माहनआननमननिआननि ॥ ६ ॥ कमलन

नामनासका
१३

यन. शुन्दन स्वला. वदन वद समान. जलकन कुशुल
मकन मनाहन. नागन नर ग्वपिनिषान. मरुल ॥ १ ॥
लम घट क पूल रु द व नायी. काहाक. नादिय दान.
जलकनि न ज्ञन जानि वानि हु. देखन नर ला क प्रसा
न. मरुल ॥ २ ॥ बालन. रूपनि वद विवा न. गमजु
नसिक शुजा न. हनि स्याज क जानि नाखि पलु हु. लम
विन्दन र की प क ध्यान. मरुल ॥ ३ ॥ ॐ ॥ **गगना**

धनाष्टी ॥ नै ॥ नग नृ उगम नाय एव नि न मा ॥
ध्रु ॥ असन सनन. वन ध शसि नृह. शुन म निनर
कन न म नाय. एव नि ॥ १ ॥ लम कुल बाल क. लम प्र
नि बाल क. लम पि जर न्म नाय. एव ॥ २ ॥ कलि वल
भाव न. कमला वि ना वन. कमलार न नि न म नाय. एव

॥ ३ ॥ लम द धन. धन. कंस क सिर्ह न. कासिय रु निर
दम नाय. एव ॥ ४ ॥ गमजु उमा पति. हृदय ना नाय
न. नन कोर शुन सम नाय. एव ॥ ५ ॥ ॐ ॥ **गगना** ॥
प्र ॥ तुलसि र लज्जा तु मानिक त्रिय ॥ ध्रु ॥ लल क मृद
ऊ नाल व जाजु. विष्णु म ना. यहि मन प त्रिय ॥ १ ॥
हनि गुन गमजु. कृष्ण नि जाजु. जन्मा जासि व. पाज
तु मानि ध त्रिय ॥ २ ॥ दास तु मानि. कृपा कन मू ना त्रिय
हि एव सा गन पान उत त्रिय ॥ ३ ॥ ॐ ॥ **गगना** ॥ **वी** ॥
सयन क ना ना नाय न र्दवा. तु मह सदा. हम क त्रिय स्य ग
॥ ध्रु ॥ सयन क ना प्रल. अरु न जानी. मन सा वा वा. कन ह
मू ना त्रि ॥ १ ॥ उग्र मखा द को. य धन सा लि. नृ कृ मि नि य लं क
उष्ठा उ न ज हु ॥ २ ॥ मा तु ज सा दा. स न न क ना ज उ. ना ध न

नाम कहवावा ५२

नाम कहवावा ५२

क्रमिनि. वडानदा लाजु ॥ ३ ॥ सीन ग नूअ. गजम कन
 हुनीन खत पलका. नादअ माहु ॥ ४ ॥ ॐ ॥ **नामाहि**
 ॥ ॥ **नाम** कहवावा **नाम** कहला **नाम** नाम कह
 नक नाम इहायी ॥ ५ ॥ नाम कहन. व इत्यनिन उवात
 नाम नाम. प्रका दउवात ॥ १ ॥ नाम मत्र साहवापिअ गव्या
 सा. आरपिअ तु खमर प्यासा ॥ २ ॥ नाम कहन गज गानिका
 ना न. लो न म लो न अहल्या नान ॥ ३ ॥ कहयक विन. ठुना
 म्य न्य साधू. साधन कहनु. अगम गति पाअनु ॥ ४ ॥ ॐ ॥
नामा **नामा** अत्रि ॥ ५ ॥ बाल खग्वपाल शया ख्याल अयाल
 माहस. इह स्य नल. थ गुलि स गमल ॥ ६ ॥ सिलस मरु
 कलया. कस ग क धुलं गुया. नीलमनि उन कया उन
 कलकी काम खायाया. कथनिया लद छि. अतिन न स

५३

नाम कहवावा ५३

नजस गुन ॥ १ ॥ अतिन स न खाल. मिखायल ल
 वान. वन माला गल स नयान. अगम कला सहज. स गमल
 या माल रुज. गुदयुअ अ स या समान ॥ २ ॥ न सन व गु
 त्रिपूष्य. मृदु क ल क था स्य. मन सह न खद य का अ
 पालि या या यल सल द य का अ वन स हल. अतिन ल ग
 पाने मून का अ ॥ ३ ॥ क्लक अ अनाथ सि स्य. ददथा
 सज माया स्य. ख रु न्य क न ना द य का अ. छि पालिनि
 या या का स. विरु न्य सदा द वाम. जि पा पि या इ ख रु
 त का अ ॥ ४ ॥ ॐ ॥ **नामा** **नामा** अत्रि ॥ ५ ॥ अया
 नन्द कि सा न सज नी ॥ ६ ॥ कोहि व न ला हि द. हि य द
 य क ज. ठी ना थ ना थ कोहि व ल दि द ग काल सज नी
 ॥ १ ॥ पान जिव न धन. स्या मा स ना हन. ठी ना थ ना थ

म
३
५

नलपुत्रः जाल्वलमासजनी ॥ १ ॥ वदसुखिहि न बालक
कृच्छविष्ठीनाथनाथामाजमकनञ्जवियासजनी ॥ ३ ॥
ॐ ॥ नागमानव ॥ ५ ॥ साधनन्दयाकृमाजः अक्षलान
पानशुखलाब्धुअप्याल ॥ ६ ॥ ब्वकृमायाज्रादिसम्यव
मइष्टुनः जीसालसहस्यहलखगुलियागुन ॥ १ ॥
बालकलालपा नलदअकिन वष्टुदेतनगानिला
तविननिन ॥ २ ॥ श्रवतिया नससजसिकचतुः जी
वीनीयाजागसहलअक्रमल ॥ ३ ॥ वृद्धादिदडा
या इखरुनकृन जीहवनसहल अक्ष वृद्धामल
॥ ४ ॥ लुगनजनभखन जीसालयासाल केसया
मनसअक्षहलकात ॥ ५ ॥ कृकृकृअनाथयावि
ननिनेरुन्यः क्लियालीपलयाहल लमलयाहन

४५

ने यावलसगनअनथखउपदसउधव ॥ ६ ॥ जिवाक्षस
कस्तुनिन वुयगथाविरुनिन धृष्टगुलिनियमखरुम
तिसामानिकस्वनिननियाअसंनजगिनजथशयजामि
नियारुसउधव ॥ १ ॥ दत्वल्यच्छिहशनिमकस्यनया
कामनसः अक्षकृयाय अमच्छखसदनसनमविअ
नसियधूनअसखन मना नलमथूनादसउधव ॥
२ ॥ केनमनथखछिनः स्रहलया छूमतिनः रुकल
जिथअसनसः थामरपिननिन छूयकाअनयातिनः मद
नलाकनूनायानसउध ॥ ३ ॥ ग्वपालदासनल्लायन
मनमनल्यहायथथामखअसययक विजागरुलस
जाअ नयाअयायअजागः जागवृक्षनामनिअमस
उधव ॥ ४ ॥ ॐ ॥ नागमानदनांशी ॥ वा ॥ ग्वपाल

म
३
५

यायाहियल. ग्वकनधितननल. अनपदलानअलर
 आगमवदखला. पूनविवालयल. आविनाममद
 सलरअकनायालममाल. मांल॥ ५॥ स्वगुलिलाक
 सदल. स्वयनममाल्यमल्य. थअकलालयावाप्रचा
 ल्य. वक्रादीदअनमल्य. कानयागनसल्लय. अहुवा
 नमनछाल्यछाल्य॥ १॥ उगतयाइलथल्य. सदादं
 यानिअयल्य. अककसवद. अल्यरकककपापनकल्य
 अनाअनयमल्य. अमायाइनजिइल्यदल्य॥ २॥

ॐ ॥ नाग ॥ ३ ॥ गनपति. मयवमइजिगति. ददजि
 सहजविननि॥ ५॥ महुकलाअश्रति. थदाअनयासा
 नि. ल्ययीअदकइतिर. शुननगनयानि. शुर्ककनिर
 कससपलहिनिर॥ १॥ खालयावानश्रति. नदमा

जालउनि. मिखायावांनपल्यप्रति. टाहाअसलरुति.
 हिदानअशगुति. खालसकाउरुतिर॥ २॥ पन
 शुमादकति. हिनअरुमानकि. धूतिनशुनगलाहा
 नि. मासशपात्रवनि. ववूशपसपति. वगिकरुनपटि
 २॥ ३॥ लसिकवाननुति. क्काअपातपित. अश्रम
 मइतिदकुअति. क्काकअनाथमनि. विनति. कानिरवि
 इन्यरगुतिमूकि. गनपति॥ ४॥ ॐ ॥ नाग ॥

५॥ गमयियगनपति. उगवदन. सकगशुअनल
 नीनदन॥ ५॥ सिधिसननगजवदशविनायक. क
 यासिइखलाशुखदायक॥ १॥ मादकपियामागम
 कलदाना. विशावात्रिनवृद्धि. विदना॥ २॥ मागननु
 लसिदामकगजान. वनुसइनामसमानसमा॥ ३॥

४ नागि कानि चानि कानि कानि कानि कानि आसा धाम्य रवे धक कानि
 ॥ १ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ मनू उभा न तुम्ह नाम रुज न मन
 हिय साध ॥ २ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ मनू उभा न तुम्ह नाम रुज न मन
 दो ज स्वपानि वन कृष्ण सूध आ ॥ जग मनु ज सक न रि ज
 न साध ॥ १ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ मनू उभा न तुम्ह नाम रुज न मन
 निय दास क विन यो उ क न म आ ॥ नु नि न्य क र्म न का न
 न साध ॥ २ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ मनू उभा न तुम्ह नाम रुज न मन
 नि न न ल ज म न सा व हा वाल न नि न ॥ ३ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ मनू उभा न तुम्ह नाम रुज न मन
 ह व र्व त्व नि क र्म मूल त्या ॥ नु नाम जि पा अन हि नु व
 न नि ॥ १ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ मनू उभा न तुम्ह नाम रुज न मन
 अन हि य क न नि ॥ २ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ मनू उभा न तुम्ह नाम रुज न मन
 य नाम जि शु अन हि य क न नि ॥ ३ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ मनू उभा न तुम्ह नाम रुज न मन
 का उ ख म आ ॥ वाला मा मा ल क प नि ॥ ४ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ मनू उभा न तुम्ह नाम रुज न मन

ख दा स का आ ग न घू व न क ग आ न सा ध स नि ॥ १ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ मनू उभा न तुम्ह नाम रुज न मन
नाग ॥ वा ॥ मनू उभा न तुम्ह नाम रुज न मन
 वा ति न ऊ ॥ २ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ मनू उभा न तुम्ह नाम रुज न मन
 कि त्व ना नाम ना म अधिक ली त्व ना नाम कि ना म शु नि जा
 ना ॥ १ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ मनू उभा न तुम्ह नाम रुज न मन
 शु र्क व न आ हि न ऊ न ऊ म न न ऊ मि ला यी ॥ २ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ मनू उभा न तुम्ह नाम रुज न मन
 ख न न कि सा लि य हि न नु म न मा नि न कि सा ला आ थ प ह
 न द र्वा ख नि हा मू ख न न वाल न न द ला ला ॥ ३ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ मनू उभा न तुम्ह नाम रुज न मन
 म न क क न उ प ज न क सु नि अ न ध ऊ ह नि वा ला क पा न
 उ न न न म ग न न य व य ना जि ॥ ४ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ मनू उभा न तुम्ह नाम रुज न मन
 घ न ला क न ना न क व न ना जि ह नि वा ला क ग न न उ प ज
 न न न वि ना ज सा मि न ऊ ॥ ५ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ मनू उभा न तुम्ह नाम रुज न मन

नमो भगवते वासुदेवाय

कोदम्ब वितमउसऊमिलायाः समथकासवम्राजाकव
मोअरुननपाय॥ ७ ॥ यकनऊरुणकनऊहानाः इऊ
नऊकननानी वननडासकी वननकिमहिमा वननक
मल्लअनिहानिकावलिनऊ॥ ८ ॥ ॐ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ व
क्रतास॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नविकानिअननऊ
कवनेना॥ ९ ॥ मयू नवाहिनि वऊरुजाऊननी विन्द
पुसकिः खनगधननि॥ १ ॥ ऊ गन नाननि षुननन
पाननि अषुनखलिनि हवरुयहाननि॥ २ ॥ वननकि
महिमा इऊनऊनि दहाअरुयम्वन वालखजानिः नमो
॥ ३ ॥ ॐ ॥ नमो ॥ हानि ॥ गीनीकलासहि नऊसडा
गिव नऊहानिरहा हनगानि जायक णऊसडागिवहा
निहा॥ ४ ॥ समअहि वऊल मूमका नऊहानिरहाना

नमो भगवते वासुदेवाय

वयमगनमहउसडागिवहानिहा॥ १ ॥ पानवेनि
विहसिकहउनऊहानिरहा जागिन डाकिनिसऊडाग
गिवहानिहा॥ २ ॥ वृआल चन्दनअविन नऊजा नऊ
हानिरहा किलकन रुम्मसम नस डागिवहानिहा॥ ३ ॥
डावमद किलकन समूका नऊहानिरहा रुनयविद्याप
निगमअडागिवहानीहा॥ ४ ॥ ॐ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ न
लन॥ अलियाडापनिसम गियमहउसथमग
यरसम्पनियाडाऊर्म यायमरुयाधनम वनथध
जिऊनमः शयानालनारुयसनम नाजायनरुह
नि॥ ५ ॥ रुडावयामनम नूगलणलोहनमः
जिनिमइलाकसअधमः इखणुख यायणम मरु
अनिमनिथम हाथलाय पूरुखपनान्॥ १ ॥

होमोप्रायश्चित्त १००

इयान कृपान स्य क. ला क क ग नि व र ख ना क रू ना द
 य क अ. मं ॥ १ ॥ ॐ ॥ **नाम** ॥ २ ॥ ह न प्र य य
 न न ह य मा यी ॥ ३ ॥ क क न थ ध क प ल कि वा त ह
 त श य र शी न ल व ल द्वा ॥ १ ॥ स्य अ नाम् र व प द न ज न
 य थ यि न न न श च ला ना ध क न स जा नि ॥ २ ॥ अ व पि
 ग्वा लि नि ल र व का अ नु ल्य वा य न क व ल र या न स जा
 नि ॥ ३ ॥ च ल न न स खि मि लि द र व न जा यी य न न द म्प
 ह न की क व ल क के या ॥ ४ ॥ अ रू अ रू की अ रू आव
 न की र व मा न द म प ह क नि य नी हा नी ॥ ५ ॥ ॐ ॥
नाम ॥ ६ ॥ मा ह न मा ध व चि न न स श न ॥ ७ ॥
 वि द्या नि व न म न क रू ग लि ल म न गि त प न म न
 क ल ग म यी ॥ १ ॥ ना अ प का म नृ प क ह न व ना यी

मोहनमाला १०१

मोहनमाला १०२

मोहनमाला १०३

ह स न स न म स हा यी ॥ २ ॥ **नाम** ॥ ३ ॥ मा यी
 ह म्य न वि ना न गु नि य ह व ल य ह अ नि इ र व स व मा व
 नि ॥ ४ ॥ क न क कि ह र व नि क ल ल ना गा नि न न म न
 मा नि नि ल ह ज ग न नि नि ॥ १ ॥ स न न थ प न नि ज
 य र ड का नि नि गि त्रि क न नि नि ड र व न दाय नि ॥ २ ॥
 ॥ क क टा न नि म्य ना इ र व ह न नि मा यी क ना म प
 न न न ल ग म यी ॥ ३ ॥ ॐ ॥ **नाम** ॥ ४ ॥ ना द न न स
 म न र अ ह नि र जा विल म न क नि य ॥ ५ ॥ य हि षी मा
 ल का थ क वा नि ध न ज न न हं र ड म न न म न ना ॥ १ ॥
 ना अ न ह न प न र व अ ना न हि के स न वि धि पा न ड ह न ना
 ॥ २ ॥ य हि षी मा ल अ गि नि न ज ल न स म् मि र प क व
 न ना ॥ ३ ॥ अ न न स प ह नु मा नि द न स का च न ह

श्रीगणेशाय नमः १०८ श्रीविष्णवे नमः १०८

कमलविनयना ॥ ४ ॥ ॐ ॥ **नागवला** ॥ वा ॥ जा
निजगमाहिमानादविशयीया ॥ ध्रु ॥ कृपाकीजनु इ
र्जदयानी ॥ वाकवादानि ॥ भाञ्जसंननदवि ॥ भाख्यसक
नकंशयीया ॥ १ ॥ ॥ सुखसम्पत्तिमागनुयनानियलाजम्प
नलोकनलाज ॥ तुमहिर्क ॥ हनजीउनकं ॥ कृपाकीजनुत्वह
पनात्वसुनिदिमिदिदविशयीया ॥ २ ॥ ॐ ॥ **नागवला**
प ॥ आदितवानि ॥ मायी ॥ आदितवानीहन ॥ मनमाहिनि
दविआदितवानि ॥ ध्रु ॥ कानिष्टुर्क ॥ जानि ॥ सकुतन ॥ का
ऊ ॥ नांपत्रवडावनाऊ ॥ १ ॥ ॥ एकलवलावल ॥ अमन
स ॥ मांऊ ॥ तुमात्रिवननपूऊ ॥ २ ॥ ॥ सुखम् ॥ आगनष्टु
न ॥ नामकन ॥ अऊ ॥ नामाल ॥ ईयापलाऊ ॥ ३ ॥ ॥ इवि
जासिनि ॥ इखइनकीजनु ॥ कनकावनदीऊ ॥ ४ ॥

श्रीगणेशाय नमः १०८

॥ ५ ॥ ॐ ॥ **नागवला** ॥ जगत्तुलनाऊ ॥ कसा
लसुअपासा ॥ असया ॥ तुनीस ॥ मनिनयानलायीडाग
नि ॥ इखयासमूद ॥ नया ॥ गसुअपासा ॥ ध्रु ॥ श्रीगुलिसा
कयाधनि ॥ अंसासलसहस्यमनि ॥ ग्वकलस ॥ कालजउत
ल ॥ निगगुनजनपानि ॥ नापनस्य ॥ नाभापानि ॥ क्षयकलध
म ॥ साऊ ॥ आन ॥ १ ॥ ॥ नृप ॥ कामदवकानि ॥ इलकि ॥ शुर्क
आनि ॥ लककिवडमास ॥ मखाल ॥ नीगमनि ॥ इनइनिठ
ऊरुल ॥ अरुनि ॥ हसवानगुनया ॥ अपाल ॥ २ ॥ ॥ थ्वक
पनान ॥ अरुख ॥ हनकुकंठामू ॥ ख ॥ सनल ॥ हामसवाठ
लाभयाऊ ॥ कयासस्य ॥ इखदयान ॥ विदुन्य ॥ सुख ॥ काकमया
इअकाल ॥ खअपासा ॥ ३ ॥ ॐ ॥ **नागवला** ॥ वा ॥
ग्वयालधनि ॥ अयनिठ ॥ शय ॥ तुहाय ॥ कात्रजनजीपनि

नया नमः

उधननुशयमापुलिदुजिनिजिलाय॥ ५॥ हथ
 सनउयाथन. धलिभिलअनन. पात्रमवीस्यनय
 छाया. साजलउनथस. दळुअजवकाल. मालकाख
 अनलाय॥ १॥ घानसपठनस्य. नडानथथसान. ल
 वालपत्रमनकाय. ललमूलयांनाडा. दीस. अ. अ. वला
 डा. हथनमखनवदाय. गवपा॥ २॥ तसयाख. तसन
 शयणसहजन. वलनद्धपित्रनिक्षय. विननियादाजिन
 शयधना. छि. अधिन. म. मालद्धयाहनासयांय॥ ३॥
 कृष्णयास्यवकनलादाथववन. लाह. अ. अ. सलध
 स. नपनलायगन. अ. क्रया. छि. कमन. विमूखमनहाय
 हांय. गवपा॥ ४॥ ॥ ॥ नागनामकनि॥ वा॥ उधव
 जागयाख. छाया. सदस. नापनविनावनस. क. त. ल. ह.

ननननुमनन. ननाज. ना. के. आ. यी. पू. ना. यी. य.
 मनकेका. के॥ ५॥ ॥ ॥ ना. ॥ ५॥ हतिम
 डा. न. ना. ग. न. तु. मा. न. आ. सा॥ ६॥ क. प. नि. म. न. ख. इ. जा.
 धन. ना. जा. वा. धि. ग. या. ड. जे. ना. जा. कुल. क. ना. म. ना. ख.
 न. का. न. न. ना. नि. दी. य. न. न. पा. ख॥ १॥ धू. सा. ध. न. अ.
 नि. इ. सु. गु. मा. नि. इ. प. नि. म. न. उ. ना. नी. हा. कि. ग. या. छा. नि.
 वो. द. ह. या. थ. न. क. पि. या. न. ख. ह. ना. न. ॥ २॥ जि. न. कु. ना.
 म. लि. य. ना. जा. ग. नि. प. छ. व. ल. म. न. का. हि. म. म. हा. व.
 लि. सु. क. उ. वि. ना. थ. क. न. ग. था. ज. म. हा. नि॥ ३॥ क. ह.
 न. इ. ना. सि. ल. क. तु. मा. नि. ज. न्म. ज. न्म. का. नि. ना. सि. का. न. ज. न.
 ना. खा. का. सि. ज. न्म. के. पू. जि. न. हि. अ. वि. ना. सि॥ ४॥ ॥ ॥
 ना. ग. ॥ ५॥ म. क. ल. आ. न. नि. ना. म. ह. क. को. ज. न. क. म. ल.

श्रीगणेशाय नमः ११४

नमः इति ज्ञान-ज्ञान-लायजयूखनामन-कदसरादि
नजाम्रुह्यातजिबधन-उसवननसजिनिगनन
॥ ४ ॥ ॐ ॥ **नाग** ॥ वा ॥ शत्रुनिजागुहानिकव
ननावनलागु ॥ ५ ॥ अपनहिलवउविननसज
ॐ शुभमनउरुहनिनाम्भालविलविकूल-काकनगुन
गजगु ॥ १ ॥ कालियमर्थन-दवकिनन्दन-कम्भवि
दानिनवा-नविकूलरूपनिष्ठीविष्णुमल्लपुहगजगु
॥ २ ॥ ॐ ॥ **नाग** ॥ ३ ॥ यगुलीयदानथला
य-सामायाशत्रुनियाय ॥ ५ ॥ शुभलजिवाकलका
नमनेयाय-हकिनाजानीमरुहगनिकदूलनचा
य ॥ १ ॥ श्रीखशुकसति-कस्तुनिनपायरुहलमूल
नाजानाम-नेविशकाय ॥ २ ॥ यकविनन-हनि

रुद्राक्षाय नमः ११५

शयानामकाय-धनजननाशानाम-मायामाहकाय
॥ ३ ॥ काकक्रयामनसक्ति-पालिउ-मवाय-द्विवि
नान-मइजिउयाय ॥ ४ ॥ ॐ ॥ **नाग** ॥ ५ ॥ रुज
गदम्बरवानि-वनमसलिया ॥ ५ ॥ शुभननमूनिजन
भनधनरुहउवकावदयकु ॥ १ ॥ सन्ननकंप्रनिपा
लकनरुहउ-रुमहाइसुस-चाय ॥ २ ॥ नामप्रसादकु
असनभनशाय-पनिननकागनिदयितवा ॥ ३ ॥
॥ ॐ ॥ **नाग** ॥ ५ ॥ गिनिनन्दीनिकुमानिकुमाहमा
यी ॥ ५ ॥ सजकपालिनि-सकसुतायनि-लवलयहन
नि-नानि ॥ १ ॥ मूनिजनमानि-जगइयहननि-इम्ममनि
दहनिनानि ॥ २ ॥ दिक्किल-नासिनि-कनूखहन
नि-शुभवनदायनिनानि ॥ ३ ॥ जगतजननी-सकन

नमो नो इहोपनिन नमो नारयानि नानि माहमायो
 ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ **नाम** ॥ वा ॥ द्विविधिन गिवद्विक
 प्रजान न्वाडा अयना न्वाडा ह्यया कासहयाडा ॥ ५ ॥
 काविपलखनद्विकलखथहुसाल गीलसल गिकल
 गललखधाल ॥ १ ॥ लाहावन इविननटिनक
 वान गिवननथिकवीन निटवदमानं ॥ २ ॥ रुम
 लया पूनखान न्वायान न्वावान जनाविखिविसलीन
 गिलसललान ॥ ३ ॥ धूपकनकयकान द्विए
 उसाग एमेनिकया अललान धनगुवासा ॥ ४ ॥
 टटमनटयानिन आननि न्वाडा वदगुयामिया
 मिखान न्वाडा ॥ ५ ॥ न्वावलुन न्वावदन नेविश
 न्वायान अर्धपूर्धकदवि द्विजगु विनाग ॥ ६ ॥

विनसद्वि न्वायान न्वाडा न्वायान क्वानक जन
 द्विखवकसियान ॥ ७ ॥ अथसलनि मनि दुनिन
 न्वाडा यगुलि कडइक वक्रानंमवाडा ॥ ८ ॥ वृख
 नक्रजन उय वाननमवाडा गलधनन धाल लाडन
 सलाडा द्विविधिन ॥ ९ ॥ १० ॥ **नामनामक** ॥ वा ॥
 विननि आडा अडनगीरगवान ॥ ११ ॥ नामः जयन
 मावडादव खगुलिलाकनसिडा चलपाल अनाथ
 यानाथः आडादिसनन आयाजि विपनिन विद्वन्व
 खरुलमान ॥ १ ॥ वालगवपाल पनिदयाडा यकाथ
 नि आयाजि वृथालकडाडा आसमइधन लहियपनि
 जन गनीव जन्मजयाडा ॥ २ ॥ हप्रह हखकका
 यालनृपकका कननामय अवनल लोवनगादय

विननि आडा ११८

श्रीगणेशाय नमः ११२

स्वयां अनाथया या इत्यदलीडजिपान ॥ ३ ॥ न
पनसन रस्य नान अरु ना इत्यस्य वकनिहाल दासथ
डाथास वादाज वाज वास ॥ ४ ॥
अन्यगज मया पानक सतीनया हनति नामकायानः
वांनि नरुजित क्लाक ववनहिन रुगन क्लल रुग वान
॥ ५ ॥ ॥ ॥ **नागविलास ॥** प्रगल ॥ अज्ञात दश दिवा
सा ह प्रह ॥ ६ ॥ धन खन गुन मद ल जिह्न न जन्म
व्यनथ नाया हाल नाभ्र नथडा थिथीन कस्य हल झूया
य शठया माया ह प्रह ॥ १ ॥ दय किल्य न कि थ जिज
हन कि छिखू सिय थ जि या अ मन ववन न या का छि
शुमन न हल सा छि क ख दाडा ह प्रह ॥ २ ॥ कला द
या दय ह क न नाम य वाल ख सिध्य अनाथ थू गुलि

श्रीगणेशाय नमः १२५

हिन नहि पाजु नाम राक पूजा तु मका वधाज क म
ह प्रजा का न वधाज ॥ ७ ॥ धीजन हिन न दिजन
हिवानि वनू मायि नाम सु क दिन नाति का नाम पूजा तु
मका वधाज ॥ ८ ॥ कह न का वन सुन इन नाहि हन
न हल म क म निका हि ॥ १० ॥ ॥ **नाग लेन ॥** ११ ॥
जऊ म व न वन न उ पि आ गा न यान विक जा हना सा
धव ना जीः उ ह नि मा ध व ह न व का हा गल सा गन म ग
म जा हा ॥ १ ॥ द म्भु के म छु ल नि ह न ग ध ना उ स ह ज स
मू उ ह नि व ह न स ह ग ध ना ॥ २ ॥ वन म ह उ वा घा स धः
वा न र अ ना उ स ज मा ना पि ना ल कि स उ ड ल ना ॥ ३ ॥
संख के नि नाम ग दा क नि उ म न उ आ प न क द न प्रहः
म द न म्भु ना ल ॥ ४ ॥ कह य क वी न ग हि नि ग कि न न

गीया लामि मित्र दीया माधव नागी माधव दन सन म
 दम पद पाया माधव दन सन काटि पाप जया ॥ १ ॥
 ॐ ॥ **नाग हे गाव** ॥ १ ॥ जीन यनि ज नाधन सहसीत
 खन वन यक वदन नील कल महष्यन विरुति हख
 न वीष्वा नाथ ॥ १ ॥ सख वक्र गदा पद्म वक्र हज्ज
 हिन पितृ गन्धन धन रुक्म नाम जग विन्द जग न समुक्ति
 विष्णु ॥ २ ॥ जल विरु समुद्र न मनूज जस माल हनि
 हन शुभ नन साज हनी शिव कनख हन न शिव नाम
 ॥ ३ ॥ शुभ नन रुक्मिन समन न विष्णु पाद स्या वक्र ज
 नादन सहज मा मन्द व्यदन ना नायन ॥ ४ ॥ सहज म
 या रुक्म सय म आसन वीष्वा वन मुक्ति हनि रजग नम
 ॐ मुक्ति शिव ॥ १ ॥ ॐ ॥ **नाग** ॥ ॥ जगीया

जीन यनि ज नाधन
 १५३

जडति स्वा या उ न ग्रव हल ॥ प्रक्रिया चद्र मा कति
 शल किष्वा त्या जानिः श्वप लमि खान न ज जी ॥ ५ ॥ से
 तया मय कलयाः भानि नथ सन या न ज शल जा शल मान ॥
 हल मानि कन ०० उल धू सग या क्र स ग क दल शन ना
 ना ॥ २ ॥ गल स की स्वा सन या चपा स्वा न्या म्पलिन यर्मा
 ला अनि श्व लाक ॥ नया गाहिक न विष्णु भानि या हा न
 निष्प जग न सम दृष्टि विनान ॥ ३ ॥ शिल क ना सन सि
 श्व न या घं घानि न अने ग क वि स हिन न ॥ लाय म दृष्टि
 गुगुन अथा हा स म्द थ्व कि पा लि स प य खान हा ॥
 ४ ॥ जग न मोहि नि श्वः विर्या क न सन दा स्य अप स ला
 गन म्न का ॥ को नि जि विन नि कु मा या य माल किन या य
 माल की न जि उ धाल ॥ १ ॥ कि गु गु न न श्व जि न नृ ग
 ल न मन श्व धन कि गु गु म स पा ॥ गा जि व उ धा स या क
 म द म दृष्टि विनान या म माल गा नि व उ धाल ॥ ३ ॥

१ नमन दा ॥ मृदस धंदा दको कला लस के दाः न पांसा ॥
 २ ॥ विष्णु स हादा रु या ध सा दा दृढ ना कजिन रुंदाः
 मन दान का सुख न था दाः न स या व स हा री दाः न पा सा ॥
 ३ ॥ हा क का दा दाः मा या स जि दृदाः अत्र न म स वि हा दाः ॥
 मन मा कि दा थ थ दृहा दाः वि वे क न स ग्य जि हा दाः न पा सा
 ४ ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ ना ग का नाः ~~गति गति~~ ॥ ॥ का
 रु धु लि जि वि न टि स नान ॥ ५ ॥ बाल ष क्रि न न स जी र न व ल
 गः ति नी अ न ति न स या न ॥ न ल ल पा डी थ मः म षू ग मान नः व
 न म मि खान म ख द ॥ १ ॥ मा थ वे स हा ला य न क ज म थ
 धन मा या म गा दः ॥ २ ॥ ग ग ला र मा ह द या दाः लोक धा रु म ह
 या वि धा क रु गा दः ॥ ३ ॥ क्रि न स न स हा दाः जा द स द स
 ची दाः का ल थ थुं उ म द ॥ हा ल ष म ह मनः ४ ॥ या डी ध न न नः
 प ह रि पा लि स ल मानः ॥ ५ ॥ हा क रु क म तिः म व म द

का रु धु लि जि वि न टि स नान ॥ ५ ॥

गतिः अ न ग दा द ध मा या दाः ॥ म ति स्य उ म द थ सः पा प
 या जा ल सः जि रु क म य न य उ म दा ॥ ४ ॥ ॐ ॥
 ना ग ~~का ना~~ ॥ आ र ति ॥ ॥ आ न ति क ति य ग ने स तु मा तिः
 सक ल ह व न मः म ग ल ग म णी ॥ ॥ ह रि व द न सि र्य
 उ वि ना जे ॥ ल वी ड स क र्द न स र्ध नेः ॥ १ ॥ ॐ ॥
~~ना ग का ना~~ ॥ ॥ क पि हाः का हा र क ह मा न वि हा का स द सः क पि
 आ ना म ना म ना म क स ल ल क म न स डी क नि ज ह न मानः का पि हा ॥
 १ ॥ वा न न ह व न स ग्रा व न ग दः ॥ ग न नि न वि न जी म्वा न ॥
 २ ॥ ना व न क ल प ति वा न न स हि न स व ॥ न म द न आ दा ने का
 गीः क पि हा ॥ ३ ॥ ना म मि ल न म न जा न कि ला य ॥ ना म व द न न
 गु न ग म ००ः क पि हाः का हाः ॥ ४ ॥ ॐ ॥ ॥ ~~ना ग का ना~~
 ॥ ॥ आ ना ना य ग कि र क ति य आ न ति ॥ ॥ ग व क र्द म्वा न पा
 ल वि ना जेः ग पि नी स ग मि ल्यः ॥ १ ॥ क ह य क वि न स नी ला
 सा धः ह नि क ह न न गु न ग म यः ॥ २ ॥ ॐ ॥

आ न ति क ति यः दा र १ १ १

आ न ति क ति यः ००

गमनक गो २०७

२५ नवनखनकु नहि मे नाप्रितना ४२ कि नायि ॥ ह मा
 नाग **आलचलि** ॥ ॥ गमनक नन अपनामर कानप्रथम
 गनसकमान ॥ ५ ॥ आरुदनामिलनक नके ॥ कनगिनि
 धना गोवनमा गवहलदि गोविधु नात्रदमा ॥ १ ॥ गो
 ननजिम नसुति की जे साननका इखहनन चननक मसद
 नसनदी ज सिद्धि वृद्धि वनदानी ॥ २ ॥ हजमना जहप्र
 हर्म ना कवदनसनामिल्यः ज नपध देजमना ल्या व साही
 नानरुलमात्र ॥ ३ ॥ कर्मको लंका को नामिलग आगजम
 कि प्राः माधमिलग मसल गम व गवही दनसनमिल्या ॥ ४ ॥
 नागरुनिमनीहमथ नाव प्रतकोटिसिघ्रा ना एकदनप्रका
 सकनके श्रीनिहवनदद्यात्रा ॥ ५ ॥ ॥ ४० ॥ ॥
गो गनिनग्न ॥ ॥ वमिपिव जलपानिपदिन ॥ ॥ कपन
 काति जाठवगमदः मनि जनकाति अतसिनामा पमर शिव
 ग्यसासवगमदः सासवपनिगधो मदित ॥ ६ ॥ हादगदल

गमना २

वमिपिव २०७

लह गदगल गहः गवहि गदजमाने नाम ॥ सादधियानमृजि
 अनकावेध मनि जा कूनलाशिपदिन ॥ १ ॥ मकककज
 ल भात्र ववियानि रुधि तवहिवहियानि नाम ॥ स्वतूचिनान
 मृजि अनकावेध मनि जा कूनलाशिपदिन ॥ २ ॥ काह
 कविनग्नाननपदिन यस्तु मनको जमना नाम ॥ नामना
 मजवहापदिन साधुगन उतनापात्रा ॥ ४ ॥ ॥ ६ ॥
नागनिग्न ॥ ॥ कादकादनपनभासखना दयाधनमनहिने
 नानभा ॥ अगम जागगमवाय रूलना राके पागममे ॥
 यसजिवा नामे द्यासजमे गम गम उमव रुगममभा ॥ ५ ॥
 जनके सपागके सति नहिमा आरमना काह गमनभा ॥ का
 ननमाभः का ननानेवदः टलनमावेगममभा ॥ २ ॥
 लाहाके ना उगाहिन दीयाः नहि उतनगमसगाया ॥ धनामि
 हा नाकिने भा उतना पापिद्वेगमकिभा ॥ ३ ॥ याव
 नजीहनदग यपानि विले पा जायगाकिभाः काह कति

कादका २०३

न सुनालं साधुः श्रवितं नमः श्रुतं नमः ॥ ४ ॥

॥ गगनसूक्ति ॥ ॥ दविकालिक वननमः ॥ १ ॥ नमः श्रुः इति

या कनका कनकालिमाताः दविः ॥ २ ॥ अस्तु त्वजधाननी

श्रुके संगमाः अस्तु कि या कनकालिमाताः दविः ॥ ३ ॥

सकलजनमिलिकः कजनपत्र ॥ ४ ॥ तके कसुननलका

लिमाताः दविः ॥ ५ ॥ सहस्रकति ॥ ६ ॥ नयनकमाती

यः ॥ ७ ॥ नक उधनक ना कालिमाताः दविः ॥ ८ ॥ ॥ ॥

॥ गगनसूक्ति ॥ ॥ गगंदविगुमकालिक गगमायाः दे

शुक्ल रंजिनी गकीमायाः गग ॥ १ ॥ मनुक अति शक्ति

नीः कनकमनिमाननीः हसपनवासिनीः त्वननानिः गग ॥

२ ॥ स्वपु कनधाननीः सुनननपाः ननीः त्वकीजननननि

हसपनानिः गग ॥ ३ ॥ हसनी पदनिनेतका गन सासि

नीः कीम नदमावुनि शी गमा नीः गग ॥ ४ ॥ सुनननकिंन

नः कनक अस्तु नितनः गगनीः सुक नननसावु नाना गग ॥ ५ ॥

॥ गगननायकिः नाया ॥ ॥ हे गगंदमायीः हे नविः हे नावगन

पिथवासिनिः सकलजनहयगानिनी ॥ ६ ॥ आदिनाकिस्

नविनिगुञ्जः यदिपवमयानि ॥ ७ ॥ नीनर्कसः शसुधसिनि

विदपाग्रुधसिनि ॥ ८ ॥ मरुमालविधाननी गलः धनव

कयमालिनी ॥ विलसकलगगुनाशिनिः सिधयनिनरुनीः

९ ॥ काति च नानिदिकिनी गुनः गदवंचलहासिनि ॥ जि

वसं गनप्रापनधानिनिः कातिश्रीगानिसंगिनी ॥ १० ॥ महि

खश्रीनीः हसनासिनीः एकनकिनिपालिनी ॥ तनिनद

वा नन्ददिजवलः दहगु अपदवदिनिः ॥ ११ ॥

॥ गगननायका ॥ ॥ हहवानिः गगनयानानिः श्रीवर्जजी

नि ॥ १२ ॥ सिद्धि व्याघ्रसंगः वननह गुलिल २ घडाजय

गुनिघंधलालः एवानि ॥ १३ ॥ नियावद्विष्टाहननः मनी

कपनमागेन २ सिद्धिसिधनः सहिस्तानहवानि ॥ १४ ॥

धनत्रयसप्तम २०६

धनत्रयसप्तमप्रः यः प्रवृत्तमधत्त ॥ कीर्त्तमानः नमः सिलमा
लहवानिः ॥ ३ ॥ अननिसुननदयाः मरुयात्तलनेमायाः
मनिवृत्तवत्तसविः श्रीकुरुवानिः ॥ ४ ॥ धीननजिनधनीः
उसयादविदाहिनी ॥ किमदूक शपिजिह्वा लहवनी ॥ ५ ॥
२ नाग गाला ॥ ॥ धनत्रितुमधानिनीः कनत्रितुमध्या
पीनिः धनत्रितुमधनहिगतकात्रिः ॥ ६ ॥ जयतात्रनी ॥
सत्त्वदेखिदवगतिदान ॥ ७ ॥ प्रथममूनि लब्धना कन
त्रितुमवडन लवसिसि सिनियक अंग ॥ ८ ॥ तिन
सूषागिनी जीतिजगवदिनिः प्रीतसंवगतहिगतका
लि ॥ ॥ खगहजदाहिनि वामहज उरुलीः कनत्रिक
नसूडकनवेद ॥ ९ ॥ तिसूनहजषपन विन्दुधन
धनीन न्यत्रगीन जीनप्रकचक ॥ नवगिनिर्नदिनीः ता
वति ॥ धनत्रिदसलम ॥ १० ॥ नवगिनिर्नदिनीः ता
मरुता ॥ नवगिनिर्नदिनीः ता मरुता ॥ नवगिनिर्नदिनीः ता

५५

नवगिनिर्नदिनीः ता मरुता ॥ नवगिनिर्नदिनीः ता मरुता ॥ नवगिनिर्नदिनीः ता मरुता ॥
धनत्रयसप्तमप्रः यः प्रवृत्तमधत्त ॥ कीर्त्तमानः नमः सिलमा
लहवानिः ॥ ३ ॥ अननिसुननदयाः मरुयात्तलनेमायाः
मनिवृत्तवत्तसविः श्रीकुरुवानिः ॥ ४ ॥ धीननजिनधनीः
उसयादविदाहिनी ॥ किमदूक शपिजिह्वा लहवनी ॥ ५ ॥
२ नाग गाला ॥ ॥ धनत्रितुमधानिनीः कनत्रितुमध्या
पीनिः धनत्रितुमधनहिगतकात्रिः ॥ ६ ॥ जयतात्रनी ॥
सत्त्वदेखिदवगतिदान ॥ ७ ॥ प्रथममूनि लब्धना कन
त्रितुमवडन लवसिसि सिनियक अंग ॥ ८ ॥ तिन
सूषागिनी जीतिजगवदिनिः प्रीतसंवगतहिगतका
लि ॥ ॥ खगहजदाहिनि वामहज उरुलीः कनत्रिक
नसूडकनवेद ॥ ९ ॥ तिसूनहजषपन विन्दुधन
धनीन न्यत्रगीन जीनप्रकचक ॥ नवगिनिर्नदिनीः ता
वति ॥ धनत्रिदसलम ॥ १० ॥ नवगिनिर्नदिनीः ता
मरुता ॥ नवगिनिर्नदिनीः ता मरुता ॥ नवगिनिर्नदिनीः ता

विनयसप्तम २०७

॥ विनयसप्तम २०७ ॥ विनयसप्तम २०७ ॥ विनयसप्तम २०७ ॥
धनत्रयसप्तमप्रः यः प्रवृत्तमधत्त ॥ कीर्त्तमानः नमः सिलमा
लहवानिः ॥ ३ ॥ अननिसुननदयाः मरुयात्तलनेमायाः
मनिवृत्तवत्तसविः श्रीकुरुवानिः ॥ ४ ॥ धीननजिनधनीः
उसयादविदाहिनी ॥ किमदूक शपिजिह्वा लहवनी ॥ ५ ॥
२ नाग गाला ॥ ॥ धनत्रितुमधानिनीः कनत्रितुमध्या
पीनिः धनत्रितुमधनहिगतकात्रिः ॥ ६ ॥ जयतात्रनी ॥
सत्त्वदेखिदवगतिदान ॥ ७ ॥ प्रथममूनि लब्धना कन
त्रितुमवडन लवसिसि सिनियक अंग ॥ ८ ॥ तिन
सूषागिनी जीतिजगवदिनिः प्रीतसंवगतहिगतका
लि ॥ ॥ खगहजदाहिनि वामहज उरुलीः कनत्रिक
नसूडकनवेद ॥ ९ ॥ तिसूनहजषपन विन्दुधन
धनीन न्यत्रगीन जीनप्रकचक ॥ नवगिनिर्नदिनीः ता
वति ॥ धनत्रिदसलम ॥ १० ॥ नवगिनिर्नदिनीः ता
मरुता ॥ नवगिनिर्नदिनीः ता मरुता ॥ नवगिनिर्नदिनीः ता

कुमा न मा हि मा १२२

गया ज न ना जा ॥ १ ॥ जाहि खन्द. ज न म. जाहि खन्द म
जिव उ. दिन चान जिअ ना. य ह्य ह ख म न ना ॥ २ ॥ क ह य
क वि ना. शु न हान न ला क. ना म र ज प न उ य न्य. ह ख म न
॥ वि न रु न. म न ह यि व न ना ॥ ३ ॥ ॐ ॥ **ना** ॥
व्या ॥ ॥ तु मा नि मा ह मा. व ऊ म ख व क्कान ही जान
र ह मा ध वा जि ॥ ५ ॥ ज ग त. का न न ह नु तु म. ना न न जा ग मु
न म क्कान. न प सी शु ज मि. ॥ थ मा ना मा ह ग वा न ॥ १ ॥ म
नि म न पा स य. था ह न पा य. द र्खी य. न हि ध्या न. न मि ल्य
न हि न्य. व द. अ ल ख. पू ना न ॥ २ ॥ य न म. पु नि न. ह व न
व्या पि न. द व द. व व द्वा न. गान्ध्या न. तु म ह. मा ध व नि
॥ ३ ॥ ॐ ॥ **ना** ॥ स न्ना ह नि रु ज
॥ लो क लो क. मा द न. म स न ॥ ५ ॥

कुमा न मा हि मा १२३

० ॥ क क. इ म हा ना ना म ॥ १ ॥ म ह क्क. शु क न. न ग
ह नि. वा म न. वि नु न घू क ल. धा न ॥ २ ॥ वृ द्ध. क लं को
नू प. मा या स व ख शु न. ग न प न थ. दी न ना न ॥ ३ ॥
अ क का ल जा य. मा या ज ग मा ह न. ह नी य द. स्य व क.
ग अ नु ना म ॥ ४ ॥ ॐ ॥ **ना** ॥ **व्या** हा न व लि ॥ ॥
उ स खि म्मा मा ह या द न स न द य ता ॥ ५ ॥ स द क या था
स अ ना. सा ज ल. अ न ला. उ स खि. वृ अ ना अ. हा नि स य म द
ला ॥ १ ॥ ग भ मा ल्य. ग न ख य. वृ लु लि या था स ला. म थ
ना म अ ना अ. ॥ लान कं वा न ला ॥ २ ॥ ॥ स्व य बाल
क म्मा या द न्खा क्क सि अ ला. उी ह व न. क ना अ. कं ॥ ३ ॥
न. म खं ला. ॥ ३ ॥ ॥ अ प न्ख. त्व न क्क न. का ल न्य जा रु
य ला. क्का क म्मा अ क्कानि मि ॥ ४ ॥ ॥ द र्ख अ ना न या ला. उ
स खि म्मा मा ह या द न स न द य ता ॥ ४ ॥ ॐ ॥

शानन्दकृत शक्ति १३३

लज्जामुनि शक्ति १३३

नाम जयन्तः ॥ वा ॥ शानन्दकृत लज्जामुनि
शानन्दकृत लज्जामुनि शानन्दकृत लज्जामुनि ॥ ५ ॥ लज्जामुनि
मन्दन कान्त्यामाष्टनन्दन कर्मलनयन मुखधनिय
धनिय ॥ १ ॥ लज्जामुनि पालक वाल लज्जामुनि पालः ग्वकल
कान्तन शान्तियनखन ॥ २ ॥ काळ कननिडा काळ
कनवन्द हसन नाम लज्जामुनि वन्द ॥ ३ ॥ श्रम्वानि
इवनेक सनन मानिः लनयचक्र विनतिहमा
नि ॥ ४ ॥ ॥ नाग ॥ ५ ॥ लज्जामुनि हमा
लाळ ॥ ६ ॥ कनिजाननिमनसहसविधनतिमा
नारुकि लज्जामुनि ॥ १ ॥ पापककिवाति जलयद्रज
लज्जामुनिः मायानिमित्तनायी श्रुतकनिज श्रुत ज
गसगजानि ॥ २ ॥ जाक लज्जामुनि वि कहय वि क न

शानन्दकृत शक्ति १३४

लज्जामुनि शक्ति १३४

नृनन्दकालमुखदयीः कहयकनममनि सननजइ
यनि शानन्दलावनयाय ॥ ३ ॥ ॥ नाग ॥ ४ ॥ लज्जामुनि
दीव्य शाननि रनाम लज्जामुनि वकननजानि नृपसाध
भा ॥ ५ ॥ नसन वपलकनि नृचिन वनन एकविना
शानन्दकृत लज्जामुनि जहाय गितसाधना ॥ १ ॥ श्रम
लकमलयनविनाक श्रुतनवासकनिवासनन जग
कासुडजवसि जागलाव नाः दिव्य ॥ २ ॥ ॥ ॥
नाग ॥ लज्जामुनि लल ॥ कमल उरुल अष्टसगम
वनाः वृखय शान्ति यकनाम नामहिदना ॥ १ ॥
लज्जामुनि नाधिकामन शाननिकना ॥ ५ ॥ लज्जामुनि
नमननजग पाजामन वल्व श्रुतथागना निवाकि प्रा
नारुप ना ॥ २ ॥ जाक वान नन्दलाल पानादयना

कमलदासः तदनमगणुसामासुन्दरा ॥ ३ ॥ के ॥ ना

॥ कीजसिमदनेगपालमहाप्रह ॥ ५ ॥ एम

कीजसिमदनेगपालमहाप्रह ॥ ५ ॥ एम

तत्र विनकपुलकिवातिमकिनकनधलमहा

पुलः वडकाति छवि लानकनिशफि मुखसुतद

लालकिशानि ॥ १ ॥ घलालमृदङ्गमाजलि

जुआनविजयनिमालमहाप्रह शुभननमनिजनक

नकिशानि हकव छलपनिपालकिशानि ॥

२ ॥ शुन्दनलालकपालकछविः विलखिनम

दनलमपालमहाप्रह मानमकनकनमानङ्गस

हवाजनवनवलालकिशानि ॥ ३ ॥ सखचक

गदापप्रविनाजनु अङ्गमकुशुमगुलानमहाप्रह

मनुवलि २ नघुनाथदासप्रह माहनलमकुलवाल

सिधिगनरव्याननका ॥ ४ ॥ जानिगेजासुनमम

प्रकाजनवधननकरइखहनका ॥ ५ ॥ के ॥ ना

॥ वा ॥ नाम किसिखालङ्गसवानकसलाडा विजा

नाली उनथयाचाया असमान अनिवागनककतान

गुनदकयाकलानलानकास्य पार्थनसदान ॥ अन

हनशलथनननयागलाकननमन कोलनाडा

धनजनस्यअयाकनजामरकयाइखनास ॥ ५ ॥

नाममकनलनलननदुदयदकछपुनसिद्धल

नतिकथ्यअननजतसचडमाइनमनिदवद

कामूनपूजास्यअननासरयाकरुहुहन ॥ २ ॥

नामनकनवाजाअर्धलरुडिननाहासखलस्य

गनागयाकअजालयाथअतिनजामलखान

किसिवा ॥ १ ॥ ५

मालनलाज. पालिनीपाळा न पथ हाया ॥ ३ ॥ वा हा
नरुतिया नसा. थस रविया निसा. मदा द. पत्रिमा लक
सा. छरव्यन सल रुसा. मकी द क थ या न सा. त्रिद्वि सि
द्विद विनी कया सा ॥ ४ ॥ लक कया हि दय स. सि
द्वि नो थणी गल स. मव म इ द्वि विना न आ स. मन
नस्य. ना स ची स. थ कया पालिनी या स. स्य अया क
कया इ ख ना स. अ न रु न रु ल थ न प न न ॥ ५ ॥ ॥ ॥

गंगा ॥ ॥ सिद्धि विनायक या द न स न या यी अ या ॥
॥ वा हा न. निरु ग या ज. रु ए न व वृ स्य न या. सित स म रु
क प या. विष्णु न द डी न स या ॥ १ ॥ श्री ना ज्ञा मा हा ना नि
वल हा न य ना रु ल क या द या द य माल स दि सि क न ना
न या ॥ २ ॥ बा ग म नि. नी न थ या. ना ल गु रि व वा स न या. हा

सिद्धि विना ॥ १२७

कि शान नि ॥ कि द सि म य ॥ ४ ॥ ॥ ॥ गंगा ॥ ॥ शान नि

॥ वा ॥ ज न्म र्म जे दा स रु म पा ल या शान नि. ला ज रु ग
निया. अ न रु अ या ल या. श दी य पू नू ख. अ न य ग अ व
ना ल का ज. शान नि ला ज रु ग निया ॥ ५ ॥ व्य द उ धाल
वृ या ज न ल स रु ल. ध न नि ध न ल वृ क या. न न सि.
घ सि ह या. वा न व लू सि न. प थ पि क या ज. स्या क.
क या ॥ १ ॥ वा म न ज्ञा क न व्य द वि चाल न. व नी ना
जा रु ल या क क या. जां म ना म ना म स्य क रु स्य. ऊ ती य
जा व न. प म रु न क क या ॥ २ ॥ क नू ना क र्म क या
अ क न क क न. क ली या का र न. या क क या. क क न
क रु स कि सि क प नि. यू न ना. क रु ज न्म का स्य स्या
क क या ॥ ३ ॥ प म प वि न. पालिनी या या. प ना

जन्म र्म जे दा स रु म पा ल या शान नि ॥ १३७

श्रीगणेशाय नमः
१३४

यदविम्वविष्णुकमयाः क्लोकमैः नोथयाः नाथ
ग्वपिनाथः अकाथ हूनक कलविअमया ॥ श्री
जनितोवरुगनिय ॥ ४ ॥ ॐ ॥ **नाग** ॥ श्री
नि ॥ व्याहवलि ॥ वा ॥ श्रीनिशीजंगनाथमः
नाकतिः पुनकसु नागाविद्रापदाहति ॥ ध्रु ॥
कानिदवद्वानथानवकावदउचतिः कनकनै
र्दिपकमालाः जन्मगतकति ॥ १ ॥ ॐ दुदमन
सिद्धगाजः जाहिन्याधतिः मात्रकैः स्थितिगङ्गाः
शानन्दहानि ॥ २ ॥ धनरघुग्लवाजः वधुखंजनी
वाजतः मुदङ्गनालः नांवकीनति ॥ ३ ॥ कश्चन
मश्चनदीपकदानवः जमगतकनीः नतिविक्र
सुतेनः वातिकाजनी ॥ ४ ॥ शुजनननमनिधान

मोहनयोगि
१३५

श्रीधनः धिष्ठावदउचतिधनः धननागववशु
निः श्रीजकीघनी ॥ १ ॥ ॐ ॥ **नाग** ॥ श्रीनाग
पना ॥ माहनशानन्दमात्राने शानति ॥ ध्रु ॥ कम
लनयनः सुन्दनखलाः वदनवद्वसमानः सल
कनकन्दलमकनमनाहनः नागनग्वपिनीया
नमङ्गल ॥ १ ॥ गमधुनकपूलवदवनायिः का
हाकनादियदानः शलकनिर्जनः जानिवनिहनुः
दखनलाकप्रमानमङ्गल ॥ २ ॥ कालनः रूपनिव
दविवाजः गमजानुनसिकशुजानः हनित्यवकज
ननाखिनप्ररुहनुः ग्वविन्दकपकध्यानमङ्गल ॥
३ ॥ ॐ ॥ **नाग** ॥ श्रीनाग ॥ वा ॥ श्रीनागकी
ननाजानामानमनुः हानिरहिकननाप्ररुजाय

नदीजनु ॥ ५ ॥ यहल्यश्रान्तिनाम यस्य किमा
ला कालिनागनाथलयाका नगुवाना ॥ १ ॥
दासनिश्रान्तिनाम दुःखादिनन्दनं रुका उद्वातन
कं सनिखञ्जन ॥ २ ॥ तसनिश्रान्तिनाम ग्रीह
वनमाह ॥ गजुजसिहासनसिना नाम रुकी
हाह ॥ ३ ॥ वो सश्रान्तिनाम वो रोगपूजा
दवनिजञ्जन श्रुतनहिइजा ॥ ४ ॥ पञ्चम
श्रान्तिनाम मङ्गलगजनु नाथानुकूमनि वजा
नदलाजनु ॥ ५ ॥ खरुमश्रान्तिनाम नाम यू
कहाजनु नाम यूकहनिगुन नाम दवगजनु
॥ ६ ॥ सफमश्रान्तिनाम शप्यनकिवाति व
जाजल सखद्य ॥ चक्राजलपाति ॥ ७ ॥ अरुम

श्रावतिनाम. अक्षयपतिना. धनदुमाना लुकिः
कोसिल्लामाना ॥ ८ ॥ नमः श्रावतिनाम. माहा
मायुगङ्गा. हामकोयोननात्रिदु. जन्मकिहंदा
॥ ९ ॥ दसमश्रावतिनाम. दशपथपिना. धनदुम
नाकाखि. कोसिल्लामाना ॥ १० ॥ ॐ ॥ नमः ॥

ज्ञाननि ॥ वा ॥ ॥ अथ शृंगसियाजामालनगथ्यायायल
 वनदियान ॥ ५५ ॥ चलधनचलऊनचलहिनपति
 ऊनचलजिअचलखरुमानचलगसचलगसच
 लपूरखानवचलननदहिथनिशन ॥ १ ॥ थान
 सन्यथानधर्मथानजिवथानहनिथानवन्द० ५३ऊ
 सियाजथानगुनथानपूज्यथाननपथानजामथी
 ननिअनवकुनदाने ॥ २ ॥ अस्तुतयोंयायालान

गानपतिनाम ॥ १४२

रसातल माहया जाल. रसातल मम नाया गुमान. रसा
ललाह विनाल. रसातल कुवी वाहाल. रसातल रविध
कया मान ॥ ३ ॥ सांन हवानि कृती हवन उद्यान
नि. गति मइ अकृति विनाई. आन नियाय जिन. क्रोमा
नियायिन. पिथी नायायन भवखांन ॥ ४ ॥ ॐ ॥
नाग ॥ ५ ॥ गानपतिनाम न संभजन लज
न ॥ ६ ॥ दीवादि सिखनन. शुन नृपद नन. कून
विन. बाधन विजानाई इअन ॥ १ ॥ गिल समनु
कन. मनि मयनि सान. किन कीया स्वधन. अनि
खला लाकन ॥ २ ॥ वड माया वलन. सूर्यया नज
न. शुन विरलजन. मइ कल जालन ॥ ३ ॥ जय मा
ला जा मान. पशु पत्र मूलन. नीदिसि धि जालन वा

मयमइ गति ॥ १४३

हानि नून सन ॥ ४ ॥ विजजिन दन सन. मन नय
पनन. विघ्न विना सन. छिवन क्ष सन ॥ गानपति
॥ ५ ॥ ॐ ॥ नाग मयमइ जिगदु दजि गहय वि
ननि ॥ ६ ॥ महुकला अरनि थु छाजन या मोनि.
दुय अद नु उतिर सुदन गनपति. सूर्य काटिर क
गस खल हितिर ॥ गन ॥ १ ॥ खाल यावान अति व
ड मा जाल उति. मिखा यावान. पल्यपति नाका अ
खल हानि. हि जान अश गुनि. खाल स काइ हनि २
न ॥ २ ॥ पन सुमाद अति हि जान. मान कि. थनि
शुदन ला हानि. मांम श पाव नि व वृ श सशुपति. व
क. सानपति रगन ॥ ३ ॥ लसिक वॉन दुटि. को
अवा न पिने. शशु मम इहिंद बुनि. लाक अनां थ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

विद्याया ॥ १४८

五十二

मोक्षसागर ॥ १५१०

पात हनि मन कामना ॥ ३ ॥ ॐ ॥ नाग वायु ॥
मांका नाम महास्य मनुज ॥ ४ ॥ मृदुमाननि रतय
नृपिनि अरु हजा त्वहि मायी माधमकनलस्य धजा हला
यी जीनि जक्रवि माह उ म ॥ १ ॥ खर्ग खपन जीशुन दम्बर
अरु हजा त्वहि मांकाः पासमसललीय वालय मांका
निदं ससधा त्रिय म ॥ २ ॥ सकल हयनि यपाय मा
वनि चन्द्रिग वनि मांकाः सव इख दुन कन उहा इख
मांका त्वहि वजन पन ध्यांका म ॥ ३ ॥ मनु न जानु ट कुन
जानु न जानु म उ त्वहि पूजा श्रीननवा हाइन उहि शुभ
तुमानी इग र नाज नीहानी उ म ॥ ४ ॥ ॐ ॥ नाग वसन
॥ ५ ॥ जल दया काय गहा जल वसन ॥ ६ ॥ शुभ
मोक्ष सा विद्या न स साधन साधन साधन साधन

रुप सा नृपि ॥ १५१०

ला त्वल्य नम लालया बाधनं मला कनपाः व्यथति ह
लथ जन्म ॥ ३ ॥ हति रघु मज ग हति घाति निज मन पून
जन्म मूमा ल्यनिदान ॥ ४ ॥ ॐ ॥ नाग मांसी ॥ ५ ॥ जय
पादु नन्दन लीम ह रूज व वाकल इति न विनां सगं अरु
लनय विकन धार्व दन कन र न शीन जय ॥ ६ ॥ कृनि
नन्दन कीवक मर्दन अरु ज द भु शुभ तर्ग हमा गाति व
न वास का नन सकल जन प्रतिपालन ॥ १ ॥ इयति वानि
वायु नन्दन घन व द भु धा नन इरु मल वि वास का न क ति
मना ज मह मग ॥ २ ॥ न अपि जय रति मना ज सकल कलि
मल नासन यनि जगन प्रतिपाल कानक दर्व वल रुल दा
यक ॥ ३ ॥ ॐ ॥ नाग अरुति ॥ ॥ निर्थ माल वाग दान
मूक काल वाग्मनि ॥ ॥ सर्व सिद्धि याग रुद्धि दाहिनी

विष्णु सागर

नमो नमः ॥ ५ ॥ शुद्ध पुरुष वद हक धान नीम हस्तानि पूर
 काज अरुण सन द तादाव शाधनी ॥ १ ॥ पञ्चक मूल म
 मिनि समस्त लोक नानि संख नास्य हों स्य नुन सर्व पा
 प नासिनी ॥ २ ॥ वॉन मावि हलि हामि विक्रमा क वास
 ने ज कृष्ण द व ज कृष्ण स्वामिदि उर वासने ॥ ३ ॥ हलि
 त जी पून शुद्ध नि ह्वान क न न ह्यदिन नल न व द गी
 न म व वाग्मनि सुदा वने ॥ ४ ॥ ॐ ॥ **नाम** ॥ ५ ॥

विधी वा हान शायन स वा दूता जागी ॥ ५ ॥ शिव च नर
 मूच किमाला हून न र वा घ झाला हसन र शिव ला ऊ व
 का जल वा जन वा जय गम ग्य नमः ॥ १ ॥ न ही दखा हों
 थी न हि दखा धाना न हि दखा शय मुख पांन ॥ व सा हा व
 क शिव ह्वन मा हा द व गल स नू द क माला ॥ २ ॥
 ऊ व मा हा द व गा ग डू दाना गम य य स्व य नू य ॥ ००

हवन मा ०० हीम च वि या हव ह्व क न मू स न श्रु या ॥ ३ ॥
 नृप नम तन पुन हन ह्व क न ह्व क न वी मुख दीप्य ॥ धीया
 नम नायानि मन्दिल ये सन कजन गम गरागीत ॥ ४ ॥
 मा न्द उ जा न ल वा स उ खाल न क हा व न ह्व क न मि या या ॥
 स व वलि श खीया विम ज ना गलि शिव य हा श ण्त्रि ह
 म ॥ १ ॥ य जाल हि मू ह न च ग थि गे ना शिव क वि न नि ह
 मा ना ॥ पु क वलि शिव वि ह नि उ का थु न ०० ह न लाग प्र नि
 या य ॥ ३ ॥ वि ह नि उ ला न ल ज ला गी म्प न ल जाय क न ल
 अ स्त्रा ह ॥ श थ ह्व अ रु निल क व का य ल द खा ज मा ००
 नू य ॥ ० ॥ ह न य वि या प नि शु न म ना यानि गे ना ०० व न
 ला ऊ ॥ जी नि ह्व न क ०० ह व न थ क ल जी नि वृ मा अ य शं
 जा नमः ॥ ६ ॥ ॐ ॥ **नाम विना ग** ॥ ५ ॥ ज ग नि मा
 यि र्म गम ल स न ल ह ल काज ॥ ५ ॥ हों स्य न या थ्व स नी न
 की व ला या म य या म्य शु न क स ह नि न व नों न या ॥ का

महाभारत ॥ १७३ ॥

कोइलाह माह पायासल कुनिहिना कोससचिना नल
 लाना ॥ १ ॥ क्योना पायानक नथुलि दुखदयीन लल
 यमरुनथधधन जन्मजिदस्यजल स्वपिवयीसा अधन
 थजिजन कं सुखमनाया ॥ २ ॥ अन्यगनवा न्यगने जिअ
 धमि म्याना वा ना नयमवदिन जिट जमना जनभि विध
 क वा नाहिली कामवासहना अरवलाया मवमइ जाना
 ॥ ३ ॥ क्काक म्या आसाशीत र्नवहर्न विगनम दिग
 दजसननरुवानीः लखलापिजि अज्ञानिनज इज्जो हल
 वानि कन्यमन जन्मदनदस ॥ ४ ॥ न्यालया कुजप
 पिशानभजित मल क्कास्यनया खजामरु स्वजः विवोल
 नियाजालाक स्वजामरु स्वजथव थस जालथिननवान
 महुस्वजः जनभिमाना ॥ ५ ॥ ॐ ॥ **नाम** ॥ **माजाम** ॥ ५ ॥
 जयवननसननरुवानिमा र्ण जननरुवानिह ॥ ६ ॥ अरुदस
 रुज ग सुसमशग मा र्ण को गुन सीनखदिनी जयाह स्वा

रूपरूपम

१७३

दस अरुनि अरुदलले माधसहि नवादिनी ॥ १ ॥ सनिका
 गनमाथ सिंधून विकन दकाहासिनि जयहां स्वपनूदम्यन
 जीशुन कनधज दयहन नासिनी ॥ २ ॥ नदिनपानमा वृखमा
 लावन अरुनसलमखनागिनि जयहां दम्यनूदिमिर ॥ ३ ॥ वृ
 निक अरुजमनवयनागिनि ॥ ३ ॥ गमजगठिदिननसिह
 केपल अरुनजनिधिपाव्य वननस्यवक शीन्यसमल्लज
 सहि दविपदगम र्णय ॥ ४ ॥ ॐ ॥ **नाम** ॥ **मालसि** ॥ ५ ॥
 दवि जयर अरुन मारीनी लुअरुय इग्नेतितागनि ॥ ६ ॥ अ
 दिवस्यनूयिनि गुनप्रकासनि जगजु जनसवमाहिनि रुय
 हां प्रवक विस्मयनि सिधवाहिनि नग्नेमवनमुखस्वाहिनि ॥ १ ॥
 कनकमनिसय मनुक शुद्धिगि सर्वकुन्दल हखिनि जय
 हां सिंधिनि व्याधिनि दाहिनि माहीनि खग्नेस्वपनूधननि
 ॥ २ ॥ खग्ने व कमनि जीशुन अरुस स्यामसम शगनस्यति

दविजयर मा ॥ १७३ ॥

नि जयहां लून पुन पिता वडा कनि सऊ कन तु विना सि
 नि ॥ ३ ॥ वीन शुविनि कू मू मई नि वड मू डनी दान नि
 जयहां लून न जय पुकास लूप नि लून न जन पुनि पा ननी
 ॥ ४ ॥ ॐ ॥ **नाग** ॥ चलकी ॥ ५ ॥ काअना माना म चू
 चून ध्यान अथीन संभल स मूर्ख याज्ञान ॥ ६ ॥ धन ३४
 कामल मान्य चू नान ग्ववि दया नाम काअ दयू स क नान
 ॥ १ ॥ धन खन ज उरु न स्वाहिया या हान ज स न रु म द
 य का ची न्य चू स्वा हान ॥ २ ॥ जय नृ प लूप नि दु धि न म
 इ चू नान ला सलिया लल सां न द्या य थ गु मान काअना
 म्या नाम चू चून ध्या ॥ ३ ॥ ॐ ॥ **गग** ॥ माल सि ॥ ४ ॥
 जय च न्दिक जग दक्षिक शुन स्य वि लून न ग व नि नी ॥ ५ ॥
 मनु क मानिक स्व वि न सा हिन विरु लि जा नि पु का सी निः
 शु व र्ध क द ल वि वि च अ न्य न सिं घ के अ ग ग नि नि ॥ १ ॥

जग न किं को नि स च मं र नि शु नि द द र्श क सि नि ह सि
 न लू क व च ज मू क मू दि न ना व न जा नि नि ॥ २ ॥ अ शु न
 मान न म ह प व न सा डि स ऊ ह म्या दि नी अ ग म सा नि न ड ल
 दि प त्रि न तु न ऊ ह सि पु वा हि नी ॥ ३ ॥ तु व न व न्दि न शु
 व र्ध विं क्षि न व न न प ऊ ज पा अ नि क ह न स्य व क स न न
 आ या ना खी य ह न रु ही नी ॥ ४ ॥ ॐ ॥ **वाग** ॥ वि ला स
 ॥ ५ ॥ म या मा चू जि न सी अ ज न न उ पा ५ या ना र ज न
 न न म जि अ ड का य न्य रु न्य गी सि डि दा ना वि न नि ख ला
 य म्य व म डु ग नि जि ट डि चू क या आ स ॥ १ ॥ या य म चू
 थ नि थ म कू ल या वि वा हान म या स्य म ह स या ना ला क
 स क या ल न्य रु न्य गी वा ल को मा नि वि न नि ख ला या ॥ २ ॥
 मा की ख य नी स्य न थ अ अ स न वा न ला न क म रु न वी न म
 न ग अ रि मा न न्य रु न्य गी लू न व वि न नि ख ला या ॥ ३ ॥

काअना माना म ॥ १३४ ॥
 जय च न्दिक जग दक्षिक
 म या मा चू जि न ॥ १३५ ॥

ॐ न नानथ उ अ स म इ घ न माल इ ख या ख ला य मा व न
 श अ प नि न न्य इ न्य गी ना ना य न वि न नि ख ला य ॥ ४ ॥ थ
 श ग स थ नि थ म्मा अ न्य न सी क इ हां अ न्य व स ख य ज
 न्म या दान न्य इ न्य गी नि व र वि न नि ख ला य ॥ ५ ॥ या य
 अ ध का अ जि न न या श स ह्री क स्य अ ल पा वा ना क न म या
 क वी व न्य इ न्य गी गु ष काली वि न नि ख ला य ॥ ७ ॥ ला क
 म्म अ म थ मि ण्य या इ न्य उ दाल दु ख या ख स म द न ह्र इ
 न्य जि या न न्य इ न्य गी क न ना म पु वि न नि ख ला य ॥ १ ॥
 ॥ ॐ ॥ नाग ॥ ३ ॥ पा न व म्म प न म्म ख न प न्म ख ल म प
 म न न द न न द न नु ज ख लु ज ख ज न द गी व वि न ॥ ५ ॥
 क न्म ना म य क म ल न य नु क या सि न्दु स र्व स्य न य न न क न
 लो क स्य नि गु न नि ध्म न ग्व क ल व द ॥ १ ॥ दि म्म ना थ दु ख
 न न्म न क म ल न ज ग जी व न ज न ना य ज ग जी व ता न क

पा न व म्म ॥ १ ॥ ३ ॥

न वि वा क वि वा ल थ अ थि थि य नि ज न काल ना अ अ या
 थ न म सि या नी न न र न स या स गाल छि र ॥ ३ ॥ दि ग म्म
 न ला क म्म गु म नि द व न द ह्य य ह्री न म न या उ द य या
 य अ ख का रु श न का म ना पू र्ण थ अ सि ण्य र न स न म्म ल
 लः छि र व म्म माल ॥ ४ ॥ ॐ ॥ नाग ॥ १ ॥ ५ ॥ दु म य क
 न ह्री म्म य सा ह व ग न प नि ॥ दु म न हि ग न ध्म न दु म न हा
 स म न न ॥ १ ॥ ॐ ॥ नाग व ल कि ॥ ॥ दु म प द प क
 ज ग जा न स न गु न क न द स म शी ध न ध्म न ॥ ५ ॥ या उ वि
 प्रु वि ना म श या अ य ल वी न स ग्रा कं ध्म न ॥ १ ॥ ना क का ष्प
 न च म द्य उः के स ग ह स गी मान ॥ २ ॥ ॥ ॐ ॥ ॥
 १ ना ग ल वि सि र व लाल ॥ ॥ वि लि ष व क् व कि या अ ग न म न
 य लिया ॥ प्र न न्म वि च न द व ता ह अ ल कि या ॥ ५ ॥ ॐ

दु म य क न कि ॥ १ ॥ ४ ॥ ५ ॥

विष्णुसहस्रनाम ॥ १७७ ॥

नाम ॥ वा ॥ ॥ गोवत्क आत्रनि मरुत गम अत्र ॥ १ ॥
व्यापक रूप तां हि नाम कि सा अ. ठ कि न स मू द व मह
ध्वन. ठान कर न दनः पात्र न लागु ॥ १ ॥ जागु मसाहि
नाम कि सा न उ. लजन कृतन. पल कह मान उ त्व कवि न
सहि. मू कि प दान थ ॥ २ ॥ तु मा नि नाम ज प त प ध्यान
तु मान उ. निर्मल आत्रा न क पू ल कि वा टि. ठ कि न ना
म र्व आत्रा न क गि य ॥ ३ ॥ जाहार मन गायि. ह न प ज
ध त्रि य. र्व हर मन ध्यान तु ला उ उ. णी वि धि जि. मरु ल
गम उ उ ॥ ४ ॥ **नाम ॥** वा ॥ ह नि श स्व द नो क
नु ना द यान् ॥ ५ ॥ को य म ह नां म या ना म. अ व म अ त्त
थ मः या य ह स्व त्रि ल जन. ह नि ॥ १ ॥ मा या मा ह लो क
स क म या जी जाल स पा स्व ह नी र म इ कि वि धि नै ॥ २ ॥

विष्णुसहस्रनाम ॥ १७८ ॥

दु ल द म्बु रु म्बु ॥ २ ॥ नाम क म ग म न मन मो ह न च न
नाम तु ल नि दा स ग न न श र्द हा र्ध च द ॥ ३ ॥ **नाम ॥**
नाम ॥ निर्गु ॥ ॥ हा न थे जां गु ज न्म का य द र्म
स्व अ व स न अ नि ह न प क्क ना जे उ ह र्म ॥ ४ ॥ लो म ना वा
न क या जाल या पास थ थ ल मन का ह नि ल जन या ना
ल म का ॥ १ ॥ ह र्द या दि न स ज न्म ना जा अ या वा नि थ
म या ना गु क्क ह ल या उ उ रु ॥ २ ॥ लो ना त्य न र्म स्व नि
या ल जन म या न माः ल ख वो ना सि जा नि या. वा हि त्य मा ति
॥ ३ ॥ अ रु या ने द न ध ल धा सा धु पिं. ओं अ न उ या ना म
न च को का नि ॥ हा न थे जा गु ज न्म का य द यो म त् ॥ ४ ॥ **नाम ॥**
नाम ॥ निर्गु ॥ ॥ अ व वे ना गि ना म. त हि र प ह जि
ती हा नि द न स का अ व वे ना गि ॥ ५ ॥ प ह जि. का या क म्
अ व द न स न कां आ सा. नि र्म न हि र वि ना अ र्म म उ व

विष्णुसहस्रनाम ॥ १७९ ॥

रुद्रागोत्रं कुरु ७५५

सहस्रगोत्रा ॥ २ ॥ यस्यपिङ्गनामगुजवत्सुहृदु
नकवोपटलोत्रिः शतयानन्दकीनेसोहविनतिगो
हगुतानेना ॥ ३ ॥ ॐ ॥ **नाम** ॥ ॥ **तजा**
गोत्राहृक्नामवालनगुघना ॥ पावनतुकापीश्रि
वनीहेनसमयक्षिप्राना ॥ १ ॥ नामनामतमूवालन
घमाश्रुगवालवदना ॥ २ ॥ इतिगुगुघमाज
हिमंरूपिङ्गना ० वजहि ० वजवीनामवालन ॥ ३ ॥
॥ ॐ ॥ **नाम** **वला** **गत्** ॥ ॥ मइडाविमानरश्मथया
नांधासा ॥ ४ ॥ वक्रवखांमप्रखपुनांमत्रनियनि
नृयसमौनहगनिलवनलायजकक्रनिदान ॥ १ ॥
द्वयनासलयाभविर्वातहटकलहमियालोनस
गुनामनलम ॥ कलयाका
ननदकाकुलनगुधननामयालनकुलसवत

॥ ११११

नखकाजश्रीस्वदवासनाभा ॥ १ ॥ कदमासमायावास
शीमाधहनवगुनियूलम्यहालः थुगुलिसदनमथुना
दधमलमपिनीलालमनाअ ॥ २ ॥ स्वामनरथाथिनस
नकयकृकृगाधिकानस्वयाअजिमनकृकृयाकअना
अमायानकनथपनान ॥ ३ ॥ खगुलिनिदुसतसव
सकलालशीतमजीनवखानमनिसहीतनवान्यज
नगुधात्रनमखथविष्कृयामायान ॥ ४ ॥ ॐ ॥ **ना**
वसक ॥ ५ ॥ वियमन्वनगलयापालयीनितयमाल
हमाधवा ॥ ६ ॥ नामसिलसमदुकलयावनमालानका
खायामथुनामविष्काकठुनायाकजात्रयाजकजायाशी
खदनखाकमयाझायप्रहसिन्यहमतयापि ॥ १ ॥
वनरहीलाशयाकथनकअमनायामननरालयामद
जि

वियमननगुपेयका ॥ ११११

वसपूजासलनाया. रुयाच्यदनाजशया. कायप्रहसन
 हसनया ॥ २ ॥ नकयाजोवनवल. सलदचकाकिल
 या. यार्थिकवलस. जिअवा. अनाथनकास्यनया. निगुश
 लवसकया. कायप्रहसनयहसनयापिननितयमालह
 माधव ॥ ३ ॥ ॥ **गगवसन** ॥ ५ ॥ हस्यामाहमव्यजि
 अकपनविवहानरद्विअवाकममाल ॥ ६ ॥ गुनयावि
 वोननसवमइद्विअसमाअरसिस्थ. दयातयमालः
 अज्ञानिह्रीयाजानि. अयाद्विकवायाजागी. महअथ
 निअजिन गअ. द्विवक ॥ १ ॥ नसयाकनादकां. सिअ
 मखूकजिधम. सनमन. लयजिमहला. दकस्यपिनीगु
 न. द्रव्यनस्य. जिअवान. इयगया. गार्थिकहआल. द्विअ
 ॥ २ ॥ स्यन्यकयायासन. अनकल. दुचिलन. निअजि

रुपागार ॥ १९३

प्रत्यक्षलभजमल ॥ ३ ॥ दवकिनाकाय. अयूववकाय
 अमालयायातउपाय. हाकक्रयाविननिद्विवालीअमवा
 य ॥ ४ ॥ ॥ **गग** ॥ निगुन ॥ ॥ कपस्यउदमहमभा
 हनथजि ॥ ५ ॥ अथजाअममृगमदसिंदुटथे. वूअयनवि
 नमाळः. लकजायसिपाठुद्वल्याय. गहभाहिजीवमाळ
 ॥ १ ॥ सकिवोनलागे. लऊमनकां. सवविजमकलाळ. ध
 वलागीनीपनमूलसाऊल. लनआळद्विनमाळ ॥ २ ॥
 यकलाखपुजअमलाखनाति. गकककभकिव्यगि. ग
 रुकिया. नाजागामवदसे. जाननलागत. वनरयथजी ॥ ३ ॥
 यथपटाल. मोलिमेगावन. लआळदुमलाळ. जानहाक
 यअनधुटनदधी. केसेआळजममाळहनजी ॥ ४ ॥
 अहलरुकीया. कवहन. जपथआळनाहाजाळ. तुलसिका
 स. हरमांनकिमहीमा. श्रीमुखहालवकाळ. हनथजि ॥
 ५ ॥ ॥

कपस्यउदमहमभा

ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय
वासुदेवमहेश्वर

जिनगच्छलायः यथायथमदुःखसः कृष्णनलनायः ॥ १ ॥ श्रीर
पनिष्ठाति दुमलनथ काला ॥ तलशवाहिकगितमदसुहासना ॥
७ ॥ ॐ ॥ ॥ ॥ नागभावासि ॥ खजनि ॥ १ ॥ तदहं तदहं तदहं
वालकमालितवानि ॥ २ ॥ गिलिवननादिनिः ॥ अशुनवादिनिः
जगजननिः वउदहं तवनकिलानि ॥ ३ ॥ वलनविममत
नः मनिमयतुखन अगहिः निर्मकतिशने गुननिधनिः ॥
४ ॥ जयमालसतिविदूपाः नविलहितरु धादि ॥ रुदविनर
मयिल अमनि ॥ ५ ॥ गितवननानिनिहाः मनिदाहिनी
गहि ॥ मागगितवहनुक ॥ जानि ॥ ६ ॥ ॐ ॥ ॥
१ ॥ नागप्रनाल ॥ वालकमानी तदहं जगदवाः सनधायनमल
हं तुमानेधन ॥ २ ॥ नाजनाजगधनिः रुदिकमानी जयनप
नामनुव ॥ नाजनुमानी ॥ ३ ॥ नाकनना नायन पदप्रथानि
ॐ ॥ नसदाशिव नवपादमल ॥ ४ ॥ पृथ्वी आपवायः अ
काशनेत्रदिर्पयहनप्रकृतिसत्ताव ॥ ५ ॥ ओममाया उदव
रूप गतिगति मनलहं वालकमानी ॥ ६ ॥ कदहनकुदल

रुगवतमहेश्वर

मननहिल्लिनः कमलतुयगपददहकमानि ॥ १ ॥ ॐ ॥
१ ॥ नागयाहायलि ॥ ॥ ॥ अनजिअनवनमनसुनमन ॥
तजलपध्यातगवान ॥ गुरोसुधगवलसः विद्या के अति
नसन देववयास लदयका ॥ २ ॥ कृष्णपक्राशस्यपग्रहि
दिगधयः विद्या के अनिलसनदादा ॥ ३ ॥ महि
मागनीलासः पहल नाभावासः अनगवाजनधमदा ॥
दतलवादाशस्य ॥ ४ ॥ दगवलदूदूदूधः नसनदाकलियणव
१ ॥ गगमलय आसाडासः सिगुरोनामदास ॥ गवनगल
वनखदा ॥ मद्रिगतिमिस्यः कननादयादस्यः विदूय
अनाथसिया ॥ ३ ॥ अथमद्रिगिआगदनकिहलसासः
अनगदीदकमायाडा ॥ पहलकलिसिस्यः एनया नाएलि
राः यदाथाकिदासयादा ॥ ४ ॥ ॐ ॥ ॥
रागा ॥ निंपरास ॥ तालवंधा ॥ ॥ नरविः तारविः नगवतिदे
वि सुकररानिभवानि ॥ ॥ हेमासुमर असुरसंधारक दपदपदम
सिवपदमेस्वरि ॥ पापपरिहर भारभजनिः जननिमुनिमयरजनी

नमो भगवते वासुदेवाय

॥ १ ॥ हेसाः चरनस्येव कः जानुजनुगत राषिल्यव महेसा
 तुमरि कस्तुना रूपत्रिः नृवतः वदिनिगिरिर्नदिनी ॥ २ ॥ हेसाः प्रीत
 ततारनिपद नपदपदकमहेन नृवने स्वरि ॥ भनति भनवति
 दाशानि सुदिन चरन सरनः गुजे स्वरि ॥ ३ ॥ ॥ ॥
 राग ॥ ॥ वां हा चलि ॥ ॥ हर के भाव राखो चेत मपज मर
 जन्म के चरा अवका स्व को जा ग्वमन मे हरि तुमरन के चला
 ॥ ४ ॥ सिल सुध रे निमृगं गाया पू भयतन नं गाव हेव स
 त्रिदिगं वर सभा वेथे गिरि का काला ॥ ५ ॥ जा के जोरि खा के वि
 भुति पावे जोख दतुरः ओहे निरंजन नाथ निरंजन त्रि भवन
 सह के दाना ॥ ६ ॥ भवसागर के रावन कार सः वहुत कि जो
 मन विंताः यददियो विधि मंत्र दि योजव इन्द्र भयो सुर राजा ॥ ७ ॥
 माया मोहन विष्णु की सोन वसवन रजन को धंधारे ससंकर का धन वि
 रन क विनु सुमन मन रंग ॥ ८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

हेसाः चरनस्येव कः

रागः प्रभात

कर्मः प्रभात

राग ॥ ॥ मल प्रभा ॥ ॥ श्री गुरु गन्य सया रजन नोया
 यजिन नय ॥ १ ॥ वा पाउन सलिल या वां लन विष्णु गस्य यः
 पालिनि जीना अलमनि जपला हा विन नय ॥ २ ॥ मनुरख
 या पुजा लाडा आदि स की किय न नयः ब्रम जल रूत काठा
 विडा जिन व्रत नय ॥ ३ ॥ क्लक क्लया के डान नः नन मन
 किय न नयः कियालिनि पाया को सविडा जि ता हा दवा
 गन ॥ ४ ॥ श्री गुरु गन्य सया रजन नोया यय ॥ ५ ॥
 राग ॥ धना ॥ ॥ कृमात्रि माशु किक जि रासा ॥ ६ ॥ गन
 उया उया नः या दून उ धाल ॥ दिन हिन नृवनि जि या उ
 दख पाल ॥ ७ ॥ त्रिधा सिम दन मय वरु कल पाल ॥
 किन का उ विव क्लया वना टे नी दाल ॥ ८ ॥ नुगल सयोद
 रासा पु न्क या डाडा ॥ विदु ने श्री सुर कने क रत्ना न राडा
 ३ ॥ ब्रह्माननः ब्रजान न अपला मला क ॥ क मा रा उवा
 नी निह स्या धर्ति म क ॥ ४ ॥ नन वनि रु ग वदी ॥ ५ ॥

माहाकालाहाडालपासहि ननः तवानि आधल ॥ ५ ॥
 धन ब्रननीक गानि विओज गद व ॥ क्राक क्रया वालक
 मालिह ब्रव नव ॥ ६ ॥ ॐ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 गग ॥ वसंत ॥ दूगल ॥ ॥ जय रसक नन गयाना ॥ ७ ॥
 हन त्रि हवन पतिः जग सद रुनि पति ॥ ध्रुव गलि धरी च
 सावि ॥ सिद्ध पलिया उनिः वकि खे सद तवानिः क सवल
 कोल विनूति न ॥ ८ ॥ के लास उंसया थसः दिल मूर्छा
 न सवासः पून गन नल पति वाः ॥ उंसया पालिया कासः ६ प ७
 लिलोक या आहाः तया वद धन काल ॥ ९ ॥ गुगुलि त्रास
 कलासः ६ प ७ ॥ किलासः वाहान दाह ॥ नित्र मनि उनी ७
 नः नय सग जिह सः ६ प ७ ॥ कस्य वास ॥ १० ॥ नन गयाना
 कर्न गः मील स ६ प ७ ॥ हान गगि के खो उंस न पसिल माः नि पाल
 ह मिया ६ प ७ ॥ जय जय नः निपा था या कु नी पति पाल ॥
 ११ ॥ ॐ ॥ ॥ ॥ ॥ गग ॥ त्रु न वि ॥ गल दू गल
 जयः रदिविषु वि तवानि ॥ १२ ॥ रुति न कि मि न ना

जय रसक वसंत
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२

एति गन स हि धि पतिः ना राय न ग गद स रति ॥ १ ॥
 ख वक्र गदा पद मः ६ प ७ ॥ गि गि नि ॥ जय ॥ २ ॥ हनिः म
 ब्रह्म वन स ब्रु वि न ६ प ७ ॥ लाकः न स न कि ना व वि
 आ क ॥ ब्रह्म गग गी नि गन ॥ ब्रु नि म न का वः जय ॥
 ३ ॥ हनिः क्राक क्रा ब्रु ना थ मा ६ प ७ ॥ न क न न न
 नि ड दू ष रु म का उ ॥ नृ पति ६ प ७ ॥ जि द्र न न पति थि
 नः जय ॥ ४ ॥ ॥ ० ॥ ॥ गग रु गन ॥ ५ ॥
 ल न क चाले आ व न ग ग म व न हा नि खल न गि नी व न न
 दि नी पान ॥ ६ ॥ ॥ ६ ॥ स ज ना प न चंद्र वि ना ज ग ग न न ग
 ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
 नः गग रु नि वृ ष मा थ ॥ ८ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ८ ॥
 गग व आ रु ना ना य न म द ग व जा व ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
 ब्रु वि न उ ना ॥ १० ॥ ॥ १० ॥ ॥ १० ॥ ॥ १० ॥ ॥ १० ॥
 उा न न न ब्रु व जा मि लः पा व नि ६ प ७ ॥ ११ ॥ ॥ ११ ॥ ॥ ११ ॥

३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११

नवाहाइनः प्रहृष्टा निषेत्तः सधवलहकविहृत्तनग्नम्
 ॐ ॥ लनकचा ॥ ३ ॥ ॥ ॥ रागफार्गिन ॥ वलोपच
 कानिहनिहनिः किन्नपिलापनः उपजवन्नगर्गम्
 ध्रु ॥ मदमायपिलाककिन्नः कयलध्वः सनसुखसुमेनाप्या
 ने ॥ ४ ॥ कजनिदडनिनायनलपनायनापनदेनसुम्भानिः
 प्यात्रिककविमानः नृयिसलागत्तहः मनमनाहनधामने
 ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ **नागगोत्रमाला** ॥ गालचोना ॥ जयसिं
 धनाथः दयिगालसंकलजं ॥ नंगुकमलडनहृनिवित्त
 खनः जनासिसधनेः चडवनिन नृनिखदिन ॥ ५ ॥ धन
 गकलगिग्नः वामकायर्पककयसुहृगसिहाग्नः रुनिहा
 ललुषनेः ग्रिनिहवनदलः अकनमिः हननलाककलग
 उधालः गनिकचलनदधीनपात्र ॥ २ ॥ **नागवसुगा**
 गालचोक ॥ ॥ श्रीजयकामिनिः जिखाहाउदयादमातर
 विनटिन्यन्यमाला ॥ ध्रु ॥ ॥ कलरवकालकिः गुर्गाअन्य

दसोपवा ५६७
 जयसिंघना ५६०
 श्रीजयका

वाहनिह ॥ ५ ॥ मां वदनगुन्दनदलन रोजकन लमल
 कलजन कमलहिनन वाकुकनहिन कनकग्रीवलउजधान
 नी ॥ २ ॥ मां लालवउदिगः नृगवलली अन्नममकनः
 कनकवलि लमनगिका तुमनिधमधकसरिः सकिसाधनी
 ३ ॥ मां नासिकाहिल कुशमसमगाम अधनविंवक
 मकृतिदपी सुजानमनिता नंगववन हातधामनिह ॥
 ४ ॥ मां प्रमवललिः रूफननहलिः कवनलनिका कन
 कवललिः निपनिपूनजनिः उपविलासिनिः सर्वधाननी
 ह ॥ ५ ॥ मां अन्ननकसक लाप्रसादन धंदकामलः
 लेसचामलहोमहकिहवानिननरुविः अन्न सनधि
 जलालनाचनिह ॥ ६ ॥ ॐ ॥ **रागवाहाग** ॥ कोत्रा
 यि कोयिनजाने ॥ सपनयलकाहा नागरत्राय जेभ
 नरससवलियो ॥ अवरमितीनकाहा नागरकाहाकाहा
 विदहदहमपिलिनु कोजायो ॥ ७ ॥ धिरनकरनुमः

श्रीजयका

त्रिभुवन के सवः पथ पद लेखि दे जायि॥ सरनर कि नर
 नागर नव सवः इन मो पि यो शवलिनः को सि यि॥ २॥
 इन मो नदि मिलिः पृतम हे सधिः के दि हि कोः अउरन
 को यिः चित लेखा सधिः दारे गति मो रेः जा जत कूर सव
 लिनुः को आ ई॥ २॥ जध कूल मो सवः देख टा कुमारः
 अनिरुद्ध देखि समा ने॥ भूप मुक्त मनिः जय प्रकाशक
 हरति पति सुत ह म जानिः को आ ई को ई न जाने॥ ४॥
 मग या द्या॥ प्र॥ द ई विस शहा ले॥ वेद सा त्र गु न वि द्यार सस
 ष सव दियो सरन मः दरसन पा ई॥ सरग भवन मः दे पित जा
 यि ल मः हर धर कर परः सल विरः सव दियोः द ई॥ १॥ नाथ ना
 थे सरः त्रिन्य त्र धल दम ल व ख री त्रि सुर॥ सव दनि या दे बा ई
 सवल स गु न गा यीः हे सि व कर तो हेः नाथ म हे सरः द ई॥ २॥ ॥

दहि चक विन॥ निपातः लना ज न को कि सो कि द य ना भ
 मु कि पदः दहि क न जी न॥ ५॥ ॥ ७॥ ॥
 या गा सि द्या॥ ॥ सि द्या अ नः पा सा धि धी म नाः न स न प ड
 कृ गा न्य नः या र मि न क ल आ सा न्यः रु या म रु या थ स नः ल स
 क ल द का अ ना म न य॥ १॥ कृ प्प या व त्रि न क न्य नो क न
 क र न॥ ६॥ भिलि हि न अ अ रु सः ष्व न सि मा या को स
 ट स्य न ल प ना मि न ग स नः वि द्या व न द थू सः द ष्य या
 न सि मा वा सः कृ प्प या न क ष्व या व न स न॥ २॥ वि
 द्या व न प रू लि सः ना धि का कि न ल स द ष्य या न व कि
 क ल र व सः लि थ क हा अ अ सः म स न ख या व थ सः
 म वा न का य न सि मा वा स न॥ २॥ ले ख न ना ल ना व ल
 थ वा व स न कृ ष्व लः स ति स ति ता का पू ल ल जा नः थ
 म लि हा या पी दि ता र या स व द ना ना श म या य ह म सि ल
 न या नः॥ ४॥ ॥ शि थि मि र वा ल द या अः ता वा द र न

